epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनंत खेल-2025 का शुभारंभ

5 श्रीजेश पदम भूषण से होंगे सम्मानित

8 उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का प्रयोग

न्यूनतम 11 मौसम जम्मू अधिकतम 20

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-27 | जम्मू तवी, मंगलवार 28 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल ने गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

जम्मू 26 जनवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एमए स्टेडियम में 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर यूटी स्तरीय समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

उपराज्यपाल ने गणतंत्र दिवस परेड की टुकड़ियों का निरीक्षण किया और औपचारिक सलामी ली।

गणतंत्र दिवस परेड में सेना, बीएसएफ सीआरपीएफ एसएसबी, आईआरपी, जम्मू-कश्मीर पुलिस, जेकेएपी, यूटी आपदा प्रतिक्रिया बल, जम्मू-कश्मीर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं, जम्मू-कश्मीर वन सुरक्षा बल, आबकारी एवं कराधान विभाग, भूतपूर्व सैनिक, एनसीसी, भारत स्काउट एवं गाइड तथा कई स्कूली टुकड़ियाँ, सेना, बीएसएफ, जम्मू-

कश्मीर पुलिस के ब्रास एवं पाइप बैंड तथा विभिन्न स्कूलों के बैंड ट्रूप्स शामिल थे।

जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक विविधता, पीएम-सूर्य घर, स्वर्णिम भारत की विरासत, फिट इंडिया मूवमेंट, ड्रग्स के खिलाफ युद्ध पर विभिन्न विभागों द्वारा बनाई गई झांकियाँ तथा जेकेपी के जांबाजों द्वारा शानदार मोटरसाइकिल कलाबाजी और विभिन्न थीमों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह के मुख्य आकर्षण थे। इससे पहले, उपराज्यपाल ने पुलिस शहीद स्मारक और बलिदान स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित की और मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिस, सेना और सीएपीएफ के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' से जुड़ी बहस को आगे बढ़ाएं युवा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 27 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को युवाओं से अपील की कि वे 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' से जुड़ी बहस को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि विषय युवाओं से जुड़ा है और उन्हें इस पर अपने विचार रखने चाहिए। चुनावों से बड़े स्तर पर पढ़ाई प्रभावित होती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज वार्षिक 'राष्ट्रीय कैडेट कोर' पीएम रैली में भाग लिया और करिअप्पा परेड ग्राउंड में एनसीसी के युवा कैडेट को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के विचार का समर्थन किया और कहा कि आजादी के बाद काफी समय तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते रहे हैं। बाद में यह पैटर्न बदल गया और इसका नुकसान देश को उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में वोटिंग लिस्ट अपडेट जैसे बहुत सारे काम होते हैं।

इसमें अक्सर हमारे शिक्षकों की ड्यूटी लगती है जिस कारण से पढ़ाई प्रभावित होती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत में युवाओं के सामने आ रही अनेक बाधाओं को दूर करने का काम किया है। इससे युवाओं और देश का सामर्थ्य बढ़ा है। भारतीय गणतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के संविधान ने हर समय देश को लोकतांत्रिक प्रेरणा दी है और नागरिक कर्तव्यों का महत्व समझाया है। इसी तरह से एनसीसी ने भी हर समय भारत के नौजवानों को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दी और उन्हें अनुशासन का महत्व समझाया है। कैडेट्स को एनसीसी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस की परेड में चुना जाना अपने आप में एक उपलब्धि है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का युवा आज वैश्विक भलाई की शक्ति के तौर पर उभरा है। युवाओं को भारत के अमृतकाल में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारे कार्यों और निर्णयों की कसौटी विकसित भारत हो। उन्होंने युवाओं से पांच प्राणों को हमेशा याद रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि पांच प्राण यानी विकसित भारत, गुलामी की सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता के लिए काम और कर्तव्यों के प्रति ईमानदारी।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष गणतंत्र दिवस शिविर में कुल 2361 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया, जिनमें 917 बालिका कैडेट भी शामिल थीं। यह संख्या के हिसाब से बालिका कैडेटों की अब तक की सर्वाधिक भागीदारी थी। इस बार 18 मित्र देशों के करीब 144 कैडेट्स भी इस दौरान मौजूद रहे।

पुलिस ने बिश्नाह में कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया, हेरोइन और 9 एमएम पिस्तौल जब्त

जम्मू, 27 जनवरी। जम्मू पुलिस ने एक कुख्यात अपराधी पंकज सिंह उर्फ पंकू राजा पुत्र गोपाल सिंह निवासी कोटली मियां फतेह मीरां साहिब' को गिरफ्तार किया है जिसके खिलाफ 12 एफआईआर दर्ज हैं।' आरोपी मीरां साहिब पुलिस स्टेशन का हिस्ट्रीशीटर भी है, हाल ही में पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत अपनी हिरासत पूरी करने के बाद बाहर आया था।

विशेष इनपुट पर कार्रवाई करते हुए बिश्नाह पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने छापेमारी की और उक्त अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 25 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ और एक 9 एमएम पिस्तौल बरामद की गई।

पूरा ऑपरेशन बिश्नाह के एसएचओ इंस्पेक्टर सुशील चौधरी के नेतृत्व में एसडीपीओ आरएस पुरा और एसपी मुख्यालय जम्मू की देखरेख में किया गया जिसने क्षेत्र में अपराध और नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।बिश्नाह पुलिस स्टेशन में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और बरामद नशीले पदार्थों और अवैध हथियार के पीछे के नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

पुंछ सड़क दुर्घटना में चार सैन्यकर्मी घायल

पुंछ, 27 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले की मंडी तहसील में एक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम चार सैन्यकर्मी घायल हो गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि पुंछ जिले की मंडी तहसील के गंतड़ गांव सावजियां में एक वाहन के सड़क से फिसल जाने से चार सैन्यकर्मी घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।

राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर केंद्र से टकराव की जरूरत नहीं :एनसी नेता

श्रीनगर, 27 जनवरी । नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता और हजरतबल के विधायक सलमान अली सागर ने आज कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर केंद्र सरकार से टकराव की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास उत्पादक और परिणामोन्मुखी होंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सही समय पर सही चीजें की जाएंगी। आज चुनी हुई सरकार को बने तीन महीने से अधिक हो गए हैं। सरकार राज्य का दर्जा वापस पाने के लिए बेहतरीन तरीके से प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि निर्वाचित सरकार के मुखिया ने इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य केंद्रीय नेताओं के साथ कई दौर की बातचीत की है और सरकार को अब तक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। एनसी नेता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार का दृढ़ विश्वास है कि भारत सरकार राज्य का दर्जा बहाल करने और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में लोगों के जनादेश का सम्मान करेगी और हमें उम्मीद है कि केंद्र आने वाले समय में राज्य के मामले को गंभीरता से लेगा।

बडाल गांव में हुई 17 रहस्यमयी मौतों के पीछे ऑर्गनोफॉस्फोरस विषाक्तता की संभावना

राजौरी, 27 जनवरी। राजौरी के बडाल गांव में हुई 17 रहस्यमयी मौतों के पीछे ऑर्गनोफॉस्फोरस विषाक्तता की संभावना है। यह जानकारी सोमवार को अधिकारियों ने दी। एक शीर्ष डॉक्टर ने कहा कि उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों को एक मारक एट्रोपिन इंजेक्शन दिया है और यह अच्छी तरह से काम कर रहा है। एट्रोपिन इंजेक्शन का उपयोग ऑर्गनोफॉस्फोरस तंत्रिका एजेंटों जिसमें ऑर्गनोफॉस्फोरस या कार्बामेट कीटनाशक शामिल हैं के कारण होने वाले विषाक्तता के इलाज के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि शीर्ष प्रयोगशालाओं से आधिकारिक रिपोर्ट आना अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि हमने हिट एंड ट्रेल विधि का उपयोग किया है, यह अच्छी तरह से काम करती है। हमने हृदय गति बढ़ाने के लिए अन्य उद्देश्यों के लिए दो रोगियों को एट्रोपिन दिया, वे बच गए और ठीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि एट्रोपिन ने सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं इसलिए यह संभावना है कि ऑर्गनोफॉस्फोरस या संबंधित लवण राजौरी गांव में मौतों की लहर का कारण हो सकते हैं। हालांकि डॉक्टर ने कहा कि आधिकारिक रिपोर्ट अभी आनी बाकी है और यह निष्कर्ष निकालना कि इन मौतों के पीछे ऑर्गनोफॉस्फोरस है, इस स्तर पर गलत होगा। पिछले दो महीनों में बडाल गांव में रहस्यमयी बीमारी के कारण 14 बच्चों सहित कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है जबकि कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भारत-चीन में बनी सहमति, फिर शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

नई दिल्ली, 27 जनवरी । भारत और चीन के बीच बनी सहमति के बाद इस साल की गर्मियों में कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू होगी । दोनों देश के बीच सीधी हवाई सेवाएं और सीमा पार नदियों से संबंधित हाइड्रोलॉजिकल डेटा और अन्य सहयोग भी दोबारा शुरू करने पर सहमति बनी है। इन मुद्दों पर आगे संबंधित स्तर बने तंत्रों पर चर्चा कर रूपरेखा तैयार की जाएगी।

दोनों देशों के बीच यह सहमति विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री की बीजिंग में आयोजित 'विदेश सचिव-उप विदेश मंत्री तंत्र' की बैठक के दौरान बनी है। रूस के कजान में प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति के बीच संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्मित करने के लिए कुछ जन-केंद्रित कदम उठाने पर सहमति बनी थी। बैठक उसी के अनुरूप आयोजित की गई।वर्ष 2020 में उत्पन्न सैन्य तनानती के कारण दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई थी। उस समय भारत और चीन के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए कैलाश मानसरोवर यात्रा रोक दी गई थी।

विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों पक्ष मीडिया और थिंक

टैंक के बीच बातचीत को और बढ़ावा देने तथा उसे सुविधाजनक बनाने के लिए उचित कदम उठाने पर सहमत हुए हैं। 2025 भारत और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ है। इस वर्षगांठ को मनाने के लिए दोनों पक्ष कई स्मारक गतिविधियां आयोजित करेंगे। बैठक के दौरान आर्थिक और व्यापार क्षेत्रों में विशिष्ट चिंताओं पर चर्चा की गई है। इससे इन मुद्दों को हल किया जा सकेगा और दीर्घकालिक नीतिगत पारदर्शिता और पूर्वानुमान को बढ़ावा दिया जा सके।

समान नागरिक संहिता लागू करने का समय आ गया है : धनखड़

नयी दिल्ली 27 जनवरी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता के लागू होने को शुभ संकेत करार देते हुए सोमवार को कहा कि पूरा देश के लिए समान नागरिक संहिता को अपनाने का समय आ गया है।

श्री धनखड़ ने उपराष्ट्रपति भवन में 'राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम' के प्रतिभागियों के पांचवें बैच को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ है कि उत्तराखंड राज्य ने समान नागरिक संहिता को हकीकत बना दिया है। उन्होंने कहा ,卐 आज, एक बहुत ही शुभ संकेत हुआ है। और वह शुभ संकेत है, जो संविधान के निर्माताओं ने संविधान में, विशेष रूप से भाग – चार में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में कल्पना की थी और निर्देशित किया था।

रेलवे ने हासिल की खास उपलब्धि, 23,000 किमी से ज़्यादा ट्रैक 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार के लिए अपग्रेड

नई दिल्ली, 27 जनवरी । भारतीय रेलवे ने 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक की ट्रेन रफ़्तार को सपोर्ट करने के लिए भारतीय रेलवे नेटवर्क के 23,000 से ज़्यादा ट्रैक किलोमीटर (टीकेएम) को अपग्रेड करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उल्लेखनीय प्रगति रेलवे के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने, कनेक्टिविटी में सुधार करने और देशभर में लाखों यात्रियों के लिए यात्रा के समय को कम करने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। भारत के रेलवे नेटवर्क का लगभग पांचवां हिस्सा अब उच्च गति के लिए सुसज्जित है। ये प्रगति आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम और रणनीतिक बाड़ लगाने जैसे मज़बूत सुरक्षा उपायों के ज़रिए संभव हुई है, जो ट्रेन यात्रा में दक्षता और विश्वसनीयता के एक नए युग की शुरुआत है। रेल मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि ट्रैक इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण में व्यापक उन्नयन शामिल है, जिसमें उच्च गति के संचालन के लिए स्थिरता और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए पटरियों को मजबूत करना, सटीक संचार और सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए उन्नत सिग्नलिंग सिस्टम का कार्यान्वयन और सुरक्षा बढ़ाने और जोखिमों को कम करने के लिए कमजोर स्थानों पर बाड़ लगाने जैसे सुरक्षा उपायों की स्थापना शामिल है। ये प्रयास भारतीय रेलवे के सुरक्षित और अधिक कुशल रेलवे नेटवर्क को बढ़ावा देने के लक्ष्य के अनुरूप हैं, जो यात्री और माल ढुलाई दोनों की जरूरतों को पूरा करता है। उन्नयन में स्वर्णिम चतुर्भुज और स्वर्णिम विकर्ण नेटवर्क के खंड प्रमुख रूप से शामिल हैं, जो देश के प्रमुख शहरों को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण गलियारे हैं। ये मार्ग, जो भारत के यात्री और माल ढुलाई के एक महत्वपूर्ण हिस्से को संभालते हैं, अब उच्च गति को समायोजित करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं, जिससे तेज़ पारगमन और बेहतर रसद सुनिश्चित होती है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा जल शक्ति विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

जम्मू 27 जनवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक सचिवालय में जल शक्ति विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में जम्मू-कश्मीर में जल जीवन मिशन की प्रगति पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रभावी क्रियान्वयन और मजबूत निगरानी तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण और जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल शक्ति शालीन काबरा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, प्रमुख सचिव वित्त,

आयुक्त सचिव एचएंडयूडीडी, आयुक्त सचिव वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण, मिशन निदेशक जेजेएम और संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान, एसीएस जल शक्ति ने मिशन की प्रगति, लक्ष्यों और चुनौतियों का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जल जीवन मिशन के तहत जम्मू-कश्मीर में 81 प्रतिषत घरों को नल के पानी की आपूर्ति से जोड़ा गया है और शेष लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

यह बताया गया कि मिशन का लक्ष्य बीआईएस 10500 मानकों का पालन करते हुए प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की विस्तृत तकनीकी जांच के साथ वैकल्पिक और प्रभावी डिजाइनों को अपनाने से 522 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण लागत बचत हुई है, जो दक्षता और नवाचार के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

मुख्य सचिव द्वारा चल रही सड़क परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

जम्मू 27 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू और कश्मीर में चल रही प्रमुख सड़क परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए निष्पादन एजेंसियों के इंजीनियरों की उपस्थिति में लोक निर्माण विभाग की एक बैठक की अध्यक्षता की।

पूरे केंद्र शासित प्रदेश में इन महत्वपूर्ण सड़क संपर्क को पूरा करने की समग्र प्रगति का जायजा लेते हुए, मुख्य सचिव ने इंजीनियरों की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया ताकि वे समय सीमा को कुशलतापूर्वक पूरा कर सकें। उन्होंने वरिष्ठ पदाधिकारियों को समय पर पूरा करने के लिए कार्यों की स्वयं निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ये सड़क परियोजनाएं अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं और संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सभी गुणवत्ता मापदंडों और पर्यवेक्षण का पालन करते हुए इन्हें शीघ्रता से पूरा करने की आवश्यकता है।

उन्होंने पीएमजीएसवाई-4 के तहत सर्वेक्षण और डीपीआर तैयार करने के काम को जल्द पूरा करने पर जोर दिया ताकि इस कार्यक्रम के तहत सभी संपर्क रहित बस्तियों को बिना किसी चूक के सभी मौसम के लिए सड़क संपर्क प्रदान किया जा सके। उन्होंने सचिव को इस प्रक्रिया की नियमित निगरानी करने और प्रत्येक गांव के संबंध में अपेक्षित व्यापक नई कनेक्टिविटी प्राथमिकता सूची को पूरा करने की सलाह दी, ताकि उन्हें शीघ्र निष्पादन और पूरा करने के लिए उचित प्राथमिकता दी जा सके।

एक प्रस्तुति में, लोक निर्माण सचिव भूपेंद्र कुमार ने बैठक को पीएमजीएसवाई-1, 2 और 3 के तहत हासिल की गई उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पीएमजीएसवाई-1 के तहत 210 लॉन्ग स्पैन ब्रिज सहित 17578 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया गया और चरण 2 के तहत 7 एलएसबी पूरे हो गए हैं, जबकि इस कार्यक्रम के चरण-3 के तहत एक एलएसबी सहित 1248 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में 29 और 30 जनवरी को हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, 27 जनवरी । मौसम विभाग ने सोमवार को 29 जनवरी की रात तक श्रीनगर में मौसम सामान्यत: शुष्क रहने तथा इसके तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार 29 जनवरी की शाम तक मौसम मुख्यत: शुष्क रहेगा, जिसके बाद 29 जनवरी की रात और 30 जनवरी की सुबह छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 31 जनवरी को छिटपुट बर्फबारी भी हो सकती है। 1 फरवरी से 2 फरवरी तक क्षेत्र में आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है साथ ही छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है। 3 फरवरी को मौसम बादल छाए रहने की उम्मीद है तथा कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी पूर्वानुमान लगाया है कि 29 जनवरी से क्षेत्र के कई स्थानों पर विशेषकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 2-4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा।

सलाह अधिकारियों ने पर्यटकों यात्रियों और ट्रांसपोर्टरों को सतर्क रहने तथा आधिकारिक यातायात और यात्रा सलाह का पालन करने की सलाह दी है। सलाह में जोर दिया गया है कि पूर्वानुमानित बर्फबारी से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यातायात प्रभावित हो सकता है लोगों से आवश्यक सावधानी बरतने और मौसम की बदलती परिस्थितियों के बारे में जानकारी रखने का आग्रह किया गया है। सोमवार को भी कश्मीर में भीषण शीतलहर का प्रकोप जारी है और यहां का न्यूनतम तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे चला गया है जबकि जम्मू संभाग के मैदानी इलाकों में दिन में मौसम सुहाना बना हुआ है।

उपराज्यपाल ने जम्मू में हिंदी, डोगरी और उर्दू में 'राष्ट्रीय कवि सम्मेलन' का उद्घाटन किया

जम्मू 27 जनवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अभिनव थिएटर में हिंदी, डोगरी और उर्दू में 'राष्ट्रीय कवि सम्मेलन' का उद्घाटन किया।

तीन दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी द्वारा 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के एक भाग के रूप में किया जा रहा है। उपराज्यपाल ने कविता सत्रों में भाग लेने वाले जम्मू-कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों से प्रशंसित और युवा कवियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज से शुरू हो रहा राष्ट्रीय कवि सम्मेलन हमारी अनूठी साहित्यिक विरासत की समृद्धि और विविधता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि इन सत्रों में हमें अपनी सभ्यता के ज्ञान और परंपरा के भंडार को देखने का अवसर मिलता है जो सहस्राब्दियों से अस्तित्व में है। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने डोगरी, हिंदी और उर्दू भाषाओं के महान साहित्यकारों को श्रद्धांजलि दी और समाज में कवियों और लेखकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उपराज्यपाल ने कहा, 卐भारत में कवियों, लेखकों की हर पीढ़ी ने रचनात्मक परंपरा और सांस्कृतिक पहचान में समृद्ध योगदान दिया है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया है कि हमारी परंपराएं अगली पीढ़ी तक पहुंचें। उपराज्यपाल ने कवियों और साहित्यकारों से देशभक्ति और एकता की आवाज बनने और एक जीवंत, प्रगतिशील और एकजुट समाज के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, कविता कला का एक सामाजिक दायित्व है। यह सामाजिक-आर्थिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने, देशभक्ति की भावना को प्रेरित करने और सद्भाव और भाईचारे के मूल्यों को चित्रित करने का एक सशक्त माध्यम हो सकता है।

देव-मुनियों की तपोभूमि ऋषिकेश

गंगा के किनारे हरिद्वार से 24 किमी. दूर बसा ऋषिकेश युग-युगाांतर से ऋषियों-मुनियों और देवताओं की तपस्थली रहा है। पुराणों के अनुसार यहां पर शिव, श्रीराम और लक्ष्मण ने तपस्या की थी...

आश्रम व मठ-मंदिरों की नगरी के रूप में विश्वविख्यात ऋषिकेश नगरी ऋषि-मुनियों की तप स्थली है। यहां न केवल पौराणिक मठ-मंदिरों की बड़ी संख्या हैं, अपितु अनेकों राष्ट्र संतों के आश्रम भी बहुतायत में हैं। शांति एवं आध्यात्मिक संतोष की प्राप्ति के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं और यहां के प्राकृतिक एवं पवित्र वातावरण में खो कर सब कुछ भूल जाते हैं।

ऋषिकेश का महात्मय

वाराह पुराण में इस धार्मिक नगरी के बारे में वर्णित है कि यहां देवदत्त नामक ब्राह्मण ने घोर तपस्या की थी, लेकिन शिव-विष्णु में भेद बुद्धि होने के कारण इंद्र ने उसकी तपस्या को प्रम्लोचा नामक अप्सरा द्वारा भंग करा दिया। देवदत्त ने पुनः तपस्या की, तो शिव ने कहा कि तुम मुझे ही विष्णु समझो। हम दोनों को एक भाव देखने पर तुम्हें शीघ्र ही सिद्धि प्राप्त होगी। पहले तुम्हारी हम दोनों से भेद बुद्धि थी, इसी कारण तुम्हारी तपस्या भंग हुई। देवदत्त के बाद उसकी लड़की रूरू ने यहां तपस्या की और भगवान से उसी रूप में यहां अवस्थित रहने की प्रार्थना की। भगवान तब यहां अवस्थित हो गए। एक अन्य कथा के अनुसार रैम्य मुनि ने यहां दस हजार वर्ष तक अपनी बांहें उठा कर भगवान विष्णु की तपस्या की। फिर वह एक हजार वर्षों तक जल पीकर और पांच सौ वर्ष तक शैवाल खा कर आराधना करते रहे। इससे प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने आम का आश्रय लेकर मुनि को देखा। भगवान विष्णु के आश्रय लेने के कारण आम का वृक्ष कुबड़ा हो गया। इस प्रकार इस तीर्थ का नाम 'कुब्जाम्रक तीर्थ' पड़ गया। भगवान विष्णु ने रैम्य मुनि को 'ऋषिकेश' के रूप में दर्शन दिए। अतः इसका नाम ऋषिकेश पड़ गया। यह भी बताते हैं कि राक्षसों के उत्पात से पीड़ित ऋषियों की प्रार्थना पर भगवान ने राक्षसों का नाश करके ऋषियों को यह साधन-भूमि प्रदान की। तभी से इसे ऋषिकेश कहा जाने लगा।

पुण्य पावन भगीरथी के किनारे चारों ओर फैली हुई विशाल और धनी वन-सम्पदा की गोद में हरिद्वार से 24 किमी दूर बसा आज का ऋषिकेश नगर पुरातन काल से ही महर्षियों का अतिप्रिय स्थल रहा है। श्रीराम, लक्ष्मण, भरत सहित अनेकों राजाधिराजों की तपस्या का वर्णन प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। मध्यकालीन शंकराचार्य, रामानुज आदि भी इस श्रेष्ठ तपोवन में आकर शांति लाभ प्राप्त करते रहे हैं। अब यह पावन धरा बैरागी साधु-महात्माओं की विहार वाटिका बन गई है। उत्तराखंड के बद्रीधाम, केदार धाम व गंगोत्री, यमुनोत्री जाने के लिए यहीं से यात्रा प्रारंभ होती है। आइए ऋषिकेश में व इसके आस-पास स्थित आश्रमों व अन्य दर्शनीय स्थलों का अवलोकन करें-

नीलकंठ धाम

सिद्धपीठ नीलकंठ धाम ऋषिकेश से 7 किमी दूर पूर्व की ओर स्थित नीलकंठ पर्वत पर स्थित शिव धाम है। आदिकाल में समुद्र मंथन के पश्चात भगवान शंकर ने समुद्र से निकलने वाले विष का पान किया था। किवदंती है कि विष की ज्वाला को शांत करने के लिए शिव ने इस स्थान पर आकर अज्ञातवास में आठ हजार वर्ष तक कठोर तपस्या की थी। यहां उनका नीला कंठ शिवलिंग के रूप में विद्यमान है।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश बाज़ार में स्थित प्राचीन भरत मंदिर के आगे अंत में गंगा तट पर कुब्जाम्रक नामक पक्का कुंड है, जिसमें पर्वत के तीन स्रोतों से जल आता है। इसे लोग गंगा, यमुना, सरस्वती तीन नदियों की त्रिवेणी कहते हैं। इस स्थान का ऋषिकेश में वही महत्व है, जो हरिद्वार में हरि की पौड़ी का है।

कैलाश आश्रम

लक्ष्मण झूला सामने बहुमंजिला 'ब्रह्म विद्या कैलाश आश्रम' है। ब्रह्म विद्या के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से सन् 1880 में स्वामी धनराज गिरि महाराज ने इस आश्रम की स्थापना की थी। देशी व विदेशी साधुओं को योग-दीक्षा देने के साथ-साथ यहां हर प्रकार का धार्मिक साहित्य मिलता है।

स्वर्गाश्रम

यहीं से मंदिरों एवं आश्रमों का समूह प्रारंभ होता है। स्वर्गाश्रम का निर्माण गीता प्रैस गोरखपुर द्वारा कराया गया था। भवन में लक्ष्मी नारायण की सुंदर मूर्ति है। दीवारों पर अत्यंत भव्य रूप से रामायण व महाभारत का चित्रांकन किया गया है।

परमार्थ निकेतन

गीता भवन की सीमा समाप्त होते ही परमार्थ निकेतन का द्वार है। मुख्य द्वार के ऊपर बनी श्री कृष्ण व अर्जुन की मूर्ति कलात्मकता की अनूठी मिसाल है। अंदर प्रवेश करते ही बाईं ओर पंक्तिबद्ध मूर्तियां पौराणिक कथाओं के आधार पर बनाई गई हैं।

पालमपुर की सैर

हवा में मधुर सी महक थी, शीतल हवा बह रही थी। प्रकृति के आँचल में फूल खिल रहे थे। कंगरा वादियों से पालमपुर की झलक दिखाई देती है। मान्यता है कि यह खूबसूरत स्थल जालंधर का स्थान रहा है। इस सुंदर स्थल की एक और विशेषता है कि यहाँ पर चाय के बगीचे, चावल के खेत नजर आते हैं।

भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में पालमपुर की चाय बहुत ही प्रसिद्ध है। नगरों में लोग अँग्रेजों के समय बनाए गए वास्तुशिल्प इमारतों को देखकर दंग रह जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में दलाई लामा के निवास स्थल से तीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है पालमपुर। यहाँ का मौसम सुहावना है अप्रैल से लेकर जून तक गर्मी रहती है। नवंबर से लेकर फरवरी तक ठंड का मौसम रहता है।

स्थानों को देखना

चाय की फैक्ट्री - कंगरा के चाय यहाँ पर देख सकते हैं। सेंट जॉन के गिरिजाघर से 200 किलोमीटर हैं पालमपुर। बुंदलामाता का मंदिर - पालमपुर से 2 किलोमीटर की दूरी पर हैं। पाँचवीं सदी के समय इस स्थान को स्थापित किया गया था। गोपालपुर में एक छोटा सा चिड़ियाघर है। जोकि पालमपुर से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

चामुंड़ा देवी - देवी काली को यहाँ के निवासी चामुंड़ा के रूप में पूजा करते हैं।

अंडेट्रा - हस्तशिल्पाय एवं हाथ से बनाएँ चीजें पर्यटक को लुभाती हैं।

कंगरा किले - कहते हैं कि इस किले का निर्माण हजार साल पहले किया गया था। बिर में लामाओं का मठ स्थित है।

बैजनाथ मंदिर - भगवान शिव को बैद्यनाथ का रूप मानते हैं। मान्यता है रावण ने भगवान शिव की अराधना की थी। भगवान शिव ने रावण की कठोर तपस्या एवं पूजा से प्रसन्न होकर रावण को अमरता का वरदान दिया था। इस मंदिर में हजारों श्रद्धालु आते हैं। कैसे पहुँचें पालमपुर से हवाई अड्डा 37 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। टैक्सी एवं बस सब जगहों से उपलब्ध है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली 4 से पालमपुर 454 किलोमीटर की दूरी पर है।

यात्रियों के आकर्षण का केंद्र लक्ष्मण झूला

ऋषिकेश से पांच किमी आगे दाहिनी ओर मुख्य सड़क से एक किमी नीचे उतर कर गंगा नदी पर बना यह झूलेनुमा पुल यहां का सबसे बड़ा आकर्षण है। कहते हैं, इस स्थान पर लक्ष्मण ने तप किया था तथा गंगा को पार करने के लिए अपने बाणों से पुल का निर्माण किया था। इसी की स्मृति में यहां गंगा के आर-पार लोहे के रस्सों से बंधे इस पुल को लक्ष्मण झूला नाम दिया गया। जिस प्रकार लक्ष्मण जी ने झूल-झूल कर पुल पार किया था, उसी प्रकार यात्री झूलते हुए पुल को पार करते हैं, जो अत्यंत रोमांच पैदा करता है। पुल के पास ही लक्ष्मण जी का मंदिर व लक्ष्मण घाट हैं।

कब जाएं?

वैसे तो यात्री साल भर ऋषिकेश आते रहते हैं, लेकिन यात्रियों की अधिक संख्या गर्मी के मौसम में होती है।

कैसे जाएं?

ऋषिकेश गढ़वाल मंडल का अंतिम रेल हैड है। मगर अधिकांश लंबी दूरी की गाड़ियां हरिद्वार एवं देहरादून तक ही आती हैं। अतः अधिकतर यात्री उपरोक्त दोनों रेलवे स्टेशनों से बस, कार या अन्य वाहनों से यहां पहुंचते हैं। दिल्ली से नियमित हवाई सेवा जोलीग्रांट एयरपोर्ट (देहरादून) तक आती हैं।

कहां ठहरें?

यहां ठहरने के लिए राज्य सरकार का टूरिस्ट बंगला है। इसके अतिरिक्त आंध्र आश्रम, बाबा काली कमली, जय राम अन्न क्षेत्र, पंजाब सिंध क्षेत्र, गीता भवन, गोपाल कुटि, परमार्थ निकेतन, स्वर्गाश्रम आदि धर्मशालाएं व भवन हैं। अब महंगे होटल भी यहां के बाहरी क्षेत्रों में बन गए हैं।

अन्य दर्शनीय स्थल

तीर्थनगरी ऋषिकेश में छोटे-बड़े 50 के लगभग आश्रम हैं व पौराणिक मठ-मंदिर हैं। अन्य प्रमुख स्थलों में मधुबन आश्रम, दयानंद आश्रम, निर्मल आश्रम, गीता आश्रम, बाबा काली कमली, जय राम अन्नक्षेत्र, गोपाल कुटी, राम झूला, सच्चा धाम आश्रम व गुरुद्वारा हेमकुंड प्रमुख हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

ईपीएफओ ने आयोजित किया 'निधि आपकी निकट 2.0' जागरूकता कार्यक्रम

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। जम्मू के ईपीएफओ क्षेत्रीय कार्यालय ने सोमवार को डोडा के डीसी कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में निधि आपकी निकट 2.0 कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नियोक्ताओं और कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों, यूएएन सक्रियण प्रक्रिया और ऑनलाइन दावे दाखिल करने जैसे विषयों पर जागरूक करना था। कार्यक्रम में पीएफ आयुक्त रिजवान उद्दीन (आरपीएफसी- 1) ने नियोक्ताओं से अपील की कि वे अपने सभी कर्मचारियों को नामांकित करें और सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करें। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न करने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रीय संस्थाओं, निजी स्कूलों, उद्योगों और सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्य शिक्षा अधिकारी डोडा, प्रकाश थापा, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन डोडा के अध्यक्ष इखलाक अहमद और अन्य प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम के सुचारू संचालन में सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को पीएफ कोड पंजीकरण प्रक्रिया, यूएएन सक्रियण, ईसीआर फाइलिंग और अन्य ईपीएफओ सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही ईपीएफ और एमपी अधिनियम के तहत जिला डोडा के स्कूलों को शामिल करने के प्रयासों को सराहा गया।

रिजवान उद्दीन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी प्रतिभागियों और विशेष रूप से डीसी डोडा का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया और इसे एक बड़ी सफलता के रूप में चिह्नित किया। ईपीएफओ ने हितधारकों के साथ संवाद और शिकायत निवारण को प्राथमिकता दी। इसके अलावा, यूएएन सक्रियण प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए चरणबद्ध दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के अंत में ईपीएफओ ने क्षेत्रीय कार्यालयों और स्कूलों के बीच बेहतर समन्वय के लिए एक ऑनलाइन सत्र आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनंत खेल-2025 का शुभारंभ

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। बहुप्रतीक्षित वार्षिक खेल प्रतियोगिता अनंत खेल-2025 सोमवार को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में उत्साह के साथ शुरू हुई। भव्य उद्घाटन में कुलपति, प्रो. संजीव जैन द्वारा मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। शारीरिक शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित, खेल महोत्सव 29 जनवरी तक जारी रहेगा जिसमें क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, रस्साकशी, कबड्डी, भाला फेंक, गोला फेंक, एथलेटिक्स (100 मीटर और 200 मीटर), शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस और अन्य कई तरह के कार्यक्रम शामिल होंगे। छात्रों द्वारा विभिन्न गतिविधियों में उत्सुकता से भाग लेने से परिसर में उत्साह का माहौल रहा।

उद्घाटन समारोह में बोलते हुए प्रो. संजीव जैन ने छात्रों की भारी भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और शारीरिक शिक्षा निदेशालय की उनकी असाधारण योजना और क्रियान्वयन के लिए सराहना की। उन्होंने कहा अनंत खेल न केवल शारीरिक उत्कृष्टता बल्कि टीम वर्क और एकता की भावना को दर्शाता है। निदेशक प्रो. वंदना शर्मा ने अनंत खेल के पीछे के दृष्टिकोण को साझा किया और इसके नाम में निहित खेल भावना पर जोर दिया जिसे छात्र प्रतियोगिता के माध्यम से चुना गया था।

श्रम आयुक्त कार्यालय ने गणतंत्र दिवस मनाया

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। श्रम आयुक्त कार्यालय ने श्रम भवन में उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ 76वां गणतंत्र दिवस मनाया जहां श्रम आयुक्त, जम्मू-कश्मीर, चरणदीप सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी ली। अपने संबोधन में श्रम आयुक्त ने राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सामंजस्यपूर्ण नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों को बढ़ावा देने के लिए विभाग की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

इस आयोजन के महत्व को बढ़ाते हुए श्रम पत्रिका न्यूज़लेटर के उद्घाटन संस्करण और श्रम विभाग कैलेंडर-2025 को श्रम आयुक्त द्वारा आधिकारिक रूप से लॉन्च किया गया।

इस अवसर पर विभाग के भीतर उत्कृष्टता को भी मान्यता दी गई। इस समारोह में उप श्रम आयुक्त (केंद्रीय), जम्मू सहायक श्रम आयुक्त, जम्मू; तथा ईपीएफओ और जम्मू-कश्मीर ईएसआई के अधिकारियों ने श्रमिकों के कल्याण को आगे बढ़ाने में विभिन्न हितधारकों के सहयोगात्मक प्रयासों को रेखांकित किया। इस कार्यक्रम में न केवल गणतंत्र की भावना का जश्न मनाया गया बल्कि श्रम विभाग के कार्यबल को सशक्त और जम्मू-कश्मीर में समावेशी विकास को बढ़ावा देने के प्रति समर्पण को भी रेखांकित किया गया।

संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु की विस्तृत चर्चा

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट, जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष और स्टेट अवॉर्डी महंत रोहित शास्त्री ने दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष कपिल खन्ना से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर महंत रोहित शास्त्री ने ट्रस्ट की वार्षिक पत्रिका कर्तव्य मार्ग भेंट की और जम्मू-कश्मीर में ट्रस्ट द्वारा देववाणी संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की।

महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि ट्रस्ट का उद्देश्य न केवल प्राचीन भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करना है बल्कि समाज में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए युवाओं को प्रेरित करना भी है। उन्होंने कहा कि संस्कृत, जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर का एक अभिन्न अंग है, को पुनः जीवन्त करने के लिए ट्रस्ट विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और शिविरों का आयोजन करता है।

राजेश गुप्ता ने पार्टी की जम्मू जिला इकाई के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला

जम्मू 27 जनवरी (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एडवोकेट राजेश गुप्ता ने पार्टी की जम्मू जिला इकाई के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाल लिया। सत शर्मा अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर भाजपा युद्धवीर सेठी, विधायक एवं भाजपा उपाध्यक्ष, अरविंद गुप्ता, विधायक प्रिया सेठी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व मंत्री, राजिंदर शर्मा, पूर्व मेयर, प्रमोद कपाही, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में उन्हें अध्यक्ष पद संभालने पर बधाई दी।

जम्मू के पंडित प्रेम नाथ डोगरा भवन के परिसर में पद संभालने से पहले पारंपरिक हवन किया गया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा द्वारा भाजपा का झंडा भी फहराया गया।

सत शर्मा ने इस अवसर पर एडवोकेट राजेश गुप्ता को बधाई देते हुए कहा कि यह हमारी पार्टी की सुंदर लोकतांत्रिक संस्कृति है कि 3 वर्ष की निश्चित अवधि के बाद पूरे संगठनात्मक ढांचे का पुनर्निर्माण होता है जिससे संगठन का निष्पक्ष और निष्पक्ष ढांचा बनता है। उन्होंने कहा कि यह संतोष की बात है कि एडवोकेट राजेश गुप्ता जैसे समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं ने लंबी चुनावी प्रक्रिया के बाद जिला अध्यक्ष की कुर्सी संभाली है। उन्होंने नए जिला अध्यक्ष से पार्टी के प्रतिनिधि के रूप में अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने को कहा। उन्होंने जिला को सुचारू रूप से चलाने के लिए सुझाव देते हुए नए जिला अध्यक्ष से संगठनात्मक कार्यों में पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों को साथ लेकर चलने को कहा।

फल एवं सब्जी थोक विक्रेता संघ पुंछ ने नए नेतृत्व का चुनाव किया

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। फल एवं सब्जी थोक विक्रेता संघ पुंछ ने हाल ही में हुई बैठक के दौरान सर्वसम्मति से परमजीत सिंह वर्मा को अपना अध्यक्ष और तेजिंदर सिंह को उपाध्यक्ष चुना है।

मीडिया को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष परमजीत सिंह वर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि उनका प्राथमिक ध्यान स्थानीय सब्जी विक्रेताओं की शिकायतों को हल करने पर होगा। उन्होंने बाहरी लोगों द्वारा अपने वाहनों से सब्जियां बेचने से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला जिससे स्थानीय विक्रेताओं के लिए महत्वपूर्ण समस्याएं पैदा हो रही हैं।

वर्मा ने कहा कि हमारी प्राथमिकता स्थानीय विक्रेताओं की चिंताओं को दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि बाहरी विक्रेताओं की आमद से उनकी आजीविका प्रभावित न हो। हम स्थानीय सब्जी बाजार का समर्थन करने के लिए एक निष्पक्ष और टिकाऊ समाधान की दिशा में काम करेंगे।

उपायुक्त ने जल संरक्षण परियोजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

पुंछ 27 जनवरी (हि.स.)। उपायुक्त पुंछ विकास कुंडल ने जल संची जन भागीदारी पहल के तहत प्रगति का आकलन करने के लिए एक बैठक बुलाई। बैठक में सभी विभागों के अधिकारी एकत्रित हुए।

उपायुक्त ने जल की कमी से संबंधित बढ़ती चुनौतियों के बीच संरक्षण उपायों की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित किया। कार्यकारी अभियंता जल शक्ति ने पहल पर एक अद्यतन जानकारी प्रदान की जिसमें योजनाओं में नवीनतम प्रगति और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने में विभिन्न विभागों की सहयोगी भूमिका का विवरण दिया गया।

जल संची जन भागीदारी पहल के प्रमुख संकेतकों पर गहन चर्चा की गई, जिसमें चेक डैम, तालाब, छत पर जल संचयन संरचनाएं, खुले कुओं का पुनर्भरण और पारंपरिक जल निकायों का जीर्णोद्धार शामिल है।

उपायुक्त ने निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्षित परियोजनाओं को पूरा करने के महत्व पर जोर दिया और सभी अधिकारियों से समर्पण और दक्षता के साथ काम करने का आग्रह किया। निगरानी को मजबूत करने के लिए उपायुक्त ने जल शक्ति के कार्यकारी अभियंता को इस पहल के लिए एक नामित नोडल अधिकारी और एक सहायक नोडल अधिकारी को नामित करने का निर्देश दिया ताकि लगातार प्रदर्शन और समय सीमा का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में एसीडी, एसीपी, डीएफओ, सीएमओ डीईपीओ और अन्य संबंधित अधिकारियों सहित विभिन्न अधिकारियों ने भाग लिया, जो पुंछ जिले के लिए जल संचय जन भागीदारी पहल को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हेरिटेज संग्रहालय में शैक्षिक भ्रमण का आयोजन

जम्मू 27 जनवरी (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के सामरिक और क्षेत्रीय अध्ययन विभाग ने अखनूर हेरिटेज संग्रहालय में एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को क्षेत्र के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास की समझ को गहरा करना था। साथ ही भारतीय सेना द्वारा विशेष हथियार प्रदर्शन के माध्यम से भारत की रक्षा क्षमताओं के बारे में जानने का एक अनूठा अवसर प्रदान करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत अखनूर हेरिटेज संग्रहालय के निर्देशित भ्रमण से हुई जो क्षेत्र के गौरवशाली अतीत को संरक्षित करने वाला स्थल है जिसमें सप्तसिंधु सभ्यता सहित विभिन्न युगों की कलाकृतियाँ, पांडुलिपियाँ, मूर्तियाँ और अवशेष प्रदर्शित किए गए हैं। छात्रों को जम्मू के इतिहास के संदर्भ में अखनूर के महत्व से परिचित कराया गया जिसमें चेनाब नदी के तट पर इसकी रणनीतिक स्थिति और इसका पुरातात्विक महत्व है। संग्रहालय के क्यूरेटर ने क्षेत्र की प्राचीन विरासत के बारे में गहन जानकारी दी। छात्रों को भारतीय सेना द्वारा आयोजित एक हथियार प्रदर्शन देखने का भी सौभाग्य मिला।

अलग-अलग अभियानों में दो लोग गिरफ्तार, नशीले पदार्थ जब्त

अनंतनाग, 27 जनवरी (हि.स.)। मादक पदार्थों की तस्करी के खतरे से निपटने के लिए अपने निरंतर प्रयासों में अनंतनाग पुलिस ने श्रीगुफवारा और मट्टन पुलिस स्टेशनों द्वारा किए गए दो अलग-अलग अभियानों में दो लोगों को गिरफ्तार करते हुए 6.27 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। जानकारी के अनुसार श्रीगुफवारा पुलिस स्टेशन की पुलिस पार्टी ने सिरहामा लिंक रोड पर एक नाका (चेकपॉइंट) स्थापित किया। नाका चेकिंग के दौरान पुलिस पार्टी ने एक संदिग्ध व्यक्ति को एक बैग ले जाते हुए रोका। पुलिस नाका पार्टी को देखते ही व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया लेकिन सतर्क पुलिस टीम ने उसे तुरंत और चतुराई से पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ में व्यक्ति ने अपनी पहचान सरहामा निवासी मोहम्मद अकबर नेंगरू के दामाद अब्दुल रहमान मीर के रूप में बताई। उसके सामान की तलाशी लेने पर उसके बैग से 1.270 किलोग्राम भांग का पाउडर बरामद हुआ। इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

इसके अलावा पुलिस स्टेशन मट्टन की एक पुलिस टीम ने विशेष सूचना के आधार पर जाविद अहमद पड्डर पुत्र गुलाम अहमद पड्डर निवासी पेथनाम्बल मट्टन के घर पर छापा मारा।

अनंत खेल का जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में बड़े उत्साह के साथ शुभारंभ

जम्मू 27 जनवरी (हि.स.)। बहुप्रतीक्षित वार्षिक खेल प्रतियोगिता अनंत खेल-2025 का आज यानि 27 जनवरी को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में बड़े उत्साह के साथ शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन द्वारा मैराथन को हरी झंडी दिखाकर किया गया। शारीरिक शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय खेल महाकुंभ 27 जनवरी से 29 जनवरी तक चलेगा। परिसर में खेल भावना का माहौल है जिसमें छात्र क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, रस्साकशी, कबड्डी, भाला फेंक, गोला फेंक, 100 मीटर, 200 मीटर, शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस आदि सहित कई तरह की स्पर्धाओं में भाग ले रहे हैं। उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. संजीव जैन ने छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और शारीरिक शिक्षा निदेशालय की सावधानीपूर्वक योजना और व्यवस्था के लिए सराहना की। निदेशक प्रो. वंदना शर्मा ने अनंत खेल के पीछे की दृष्टि और आदर्श वाक्य पर प्रकाश डाला तथा इसके नाम में निहित खेल भावना की शाश्वत भावना पर जोर दिया जिसे छात्र प्रतियोगिता के माध्यम से चुना गया था। उन्होंने सहायक निदेशकों डॉ. आर. सुधाकर, डॉ. नरिंदर कुमार, डॉ. जय भवानी और डॉ. किरण सहित शारीरिक शिक्षा निदेशालय को उनके समन्वित प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

भाजपा ने आप और नेकां पर झूठे वादे करने का आरोप लगाया

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रवक्ता विक्रम मल्होत्रा ने प्रवक्ता बलबीर राम रतन और मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा के साथ आम आदमी पार्टी (आप) और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) पर अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

मल्होत्रा ने जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसने अपने हालिया चुनाव अभियान के दौरान कई वादे किये थे। उन्होंने 200 मुफ़्त बिजली यूनिट, मुफ़्त पीने का पानी, घर की महिला मुखियाओं को 5,000 रुपये मासिक सहायता, विधवा पेंशन में वृद्धि, महिलाओं के लिए मुफ़्त यात्रा और मुफ़्त चावल/आटा जैसे वादों की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा अपने कार्यकाल के तीन महीने में एनसी सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया है और न ही लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई समयसीमा तय की है। मल्होत्रा ने मतदाताओं से झूठे वादों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया और उन्हें पारदर्शी शासन और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

मल्होत्रा ने आगे आप पर पिछले चुनावों के दौरान दिल्ली और पंजाब दोनों में बड़े-बड़े लेकिन अधूरे वादों के साथ मतदाताओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने दिल्ली में 500 नए स्कूल खोलने, 12 लाख नौकरियां पैदा करने, प्रदूषण मुक्त दिल्ली और 2025 तक यमुना की सफाई के साथ-साथ नशा मुक्त पंजाब, महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता और पंजाब में पुरानी पेंशन योजना को फिर से शुरू करने जैसे वादों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा आप इन वादों को पूरा करने में विफल रही है और 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में फिर से मतदाताओं को गुमराह कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मतदाता भाजपा के पक्ष में ऐसे झूठे अभियानों को नकार देंगे

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI (M)
G.W.D. DIVISION JAMMU
SHORT TERM NOTICE INVITING e-TENDER
E -NIT NO GWD/208 OF 2024-25 DATED 25.01.2025

For and on behalf of the Lieutenant Governor UT of J&K, the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu invites tenders by e-tendering mode from reputed and registered firms for below mentioned works:-

Name of the Work	Name of the Division	Cost of Tender Document/Tender Fee(In Rs)	Qty.	Estimated cost (value of work) (in Rs.)	Earnest Money (In Rs)	Validity of Rates
Re-development of 125m dia. bore holes at (03 Nos) different locations in District Udhampur under District Capex Budget 2024-25	Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu	500.00 (Non-Refundable) Deposited in Govt. treasury through e-challan under the receipt head 0215 in favour of the Executive Engineer, Jal Shakti Mech. GWD Div. Jammu payable at Jammu mentioning name of work	03 Nos	Rs. 1.50 lacs	@2% of the estimated value in shape of Fresh CDR/FDR pledged to Executive Engineer PHE (M) GWD Division	31st March 2025

1. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 25.01.2025 to 03.02.2025
2. The pre bid meeting if desired, shall be held in the office of the Executive Engineer Jal Shakti (M) G.W.D. Division Jammu on 28.01.2025 at 1300 hrs.
3. The Bids shall be uploaded on the website http://jktenders.gov.in from 28.01.2025 (1400 hrs) to 03.02.2025 (1800 hrs.)
4. The complete bidding process shall be online and scanned copies of the following documents will have to be uploaded before due date:-
   (i) Scanned copy of treasury e-Challan/receipt for Rs. 500.00 against the cost of tender document under the receipt Head 0215 in favour of Executive Engineer, Jal Shakti (M) Ground Water Drilling Division Jammu indicating name of work to be executed. It may be noted that the receipt of the e-challan should be of the date after the issuance of publication of the e-tender. (ii) Scanned copy of EMD in the shape of CDR/FDR @2% of the estimated value pledged in favour of Executive Engineer, PHE (M) Ground Water Drilling Division Jammu. It may be noted that the EMD should be of the date after the issuance of publication of the e-tender (iii) Scanned Copies of tender documents, terms and conditions duly signed and stamped (each page) by bidder. (iv) Scanned copy of GST Registration from competent authority (v) Scanned copy of PAN Card. (vi) Scanned copy of Valid Registration of Water Well Drillers issued by Chief Engineer Jal Shakti (PHE) Department Jammu for the year 2024-25. In case the bidder is not able to furnish the Registration with the cover 1st of this bid document, he can produce the same before the opening of cover 2nd of this bid document.
5. The Technical Bids of the tender document received shall be opened online in the office of Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu on 05.02.2025 at 1400 hrs. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids shall be opened on the next working day during the office hours.
6. The Cover - II i.e. Financial Bids of the firms who qualify in Cover - I shall also be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu during office hours or some other working day convenient to tender opening authority.
7. Other details can be seen inside the detailed tender document.
8. Account Head: District Capex Budget 2024-25
9. AAA No. 68-DDCU of 2024 Dated 14.08.2024
10. Accord of T.S. No: (Attached as per Annexure "A")

No GWD/6705-07 Dated 25.01.2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti (M) GWD Division
Jammu

DIP/J-9590/24
Dtd: 27-1-2025

मूवमेंट कल्कि ने जम्मू के विभिन्न स्थानों पर मनाया गणतंत्र दिवस

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। मूवमेंट कल्कि के सदस्यों ने अम्फल्ला चौक पर तिरंगा फहराकर गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाया। इस अवसर पर राष्ट्रगान गाकर भारत माता को नमन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता श्री युधवीर सेठी ने मूवमेंट कल्कि के सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि गाय माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

लोअर रूप नगर, जम्मू में मूवमेंट कल्कि और क्रांति दल द्वारा आयोजित समारोह में क्रांति दल के स्टेट प्रेसिडेंट श्री प्रीतम शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने संबोधन में उन्होंने संविधान निर्माण और स्वतंत्रता संग्राम की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में युवाओं को उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। इस आयोजन में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें ठाकुर करनाल चंद, पंडित रवि शर्मा, सुनील शर्मा, और अन्य प्रतिष्ठित लोग शामिल थे।

वार्ड नंबर 26, अपर शिव नगर में मूवमेंट कल्कि की बोर्ड सदस्य मोनिका शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस कार्यक्रम ने देशभक्ति, एकता और समाज सेवा का संदेश दिया। समाज और आध्यात्मिक मूल्यों को जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम को स्थानीय लोगों का भरपूर समर्थन मिला। मूवमेंट कल्कि ने इस गणतंत्र दिवस पर राष्ट्र निर्माण और आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

कबड्डी टूर्नामेंट से बढ़ाई सांस्कृतिक और सामाजिक जागरूकता

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। सांस्कृतिक मूल्यों, सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत करने की एक सराहनीय पहल में माधव सेवा ट्रस्ट के धर्म जागरण समवे ने सोमवार को सेवा बस्ती कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया। इस नेक प्रयास का उद्देश्य समुदायों को एकजुट करना, युवाओं में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना और उन्हें उनकी समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से फिर से जोड़ना है। इस मौके पर सांसद जुगल किशोर शर्मा और विधायक विक्रम रंधावा विशेष रूप से मौजूद रहे इस टूर्नामेंट में विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों और युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण शपथ ग्रहण समारोह था जहाँ प्रतिभागियों ने सनातन हिंदू धर्म के संरक्षण और प्रचार के लिए अपनी प्रतिबद्धता की शपथ ली। समूह चर्चा और संवादात्मक सत्रों जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कार्यक्रम ने भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों में गर्व की भावना पैदा करने का प्रयास किया। उत्तरी क्षेत्र धर्म जागरण के प्रभारी राकेश त्यागी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य समाज सेवा की आड़ में झुग्गी-झोपड़ियों में हो रहे अनैतिक धर्मांतरण को रोकना है। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलकूद और सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल करके आयोजकों ने अपनी विरासत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और गुमराह करने वाले प्रभावों को रोकने का प्रयास किया।

संपादकीय

संघर्ष और सफलताओं के 75 साल!

रविवार को भारत ने गणतंत्र के रूप में 75 साल पूरे होने का जश्न मनाया, जो इसके इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इंडोनेशिया की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो की उपस्थिति भारत के मजबूत राजनयिक संबंधों का प्रतिनिधित्व करती है। इस साल के उत्सव में, जो जनभागीदारी की भावना को प्रदर्शित करता है और लोगों को भारत की समृद्धि के वास्तुकारों के रूप में महत्व देता है, 10,000 प्रतिष्ठित अतिथि शामिल हुए। सशक्त और सुरक्षित भारत की थीम के साथ, 76वां गणतंत्र दिवस देश के लक्ष्यों का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी से इस महत्वपूर्ण दिन पर संविधान के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए फिर से प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया। इस मील के पत्थर को याद करते हुए, समकालीन भारत की विशेषताओं, कठिनाइयों और लक्ष्यों पर विचार करना महत्वपूर्ण है। एक संप्रभु, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में भारत की स्थिति 26 जनवरी, 1950 को संविधान को अपनाने के समय साहसपूर्वक स्थापित की गई थी। देश ने पिछले 70 वर्षों में राजनीतिक क्रांतियों और बाहरी खतरों सहित कई कठिनाइयों का सामना किया है, जबकि इसने अपनी लोकतांत्रिक नींव को बनाए रखा है। भारत के संस्थापकों की दूरदर्शिता आज भी देश की स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोजित करने की निरंतर क्षमता में स्पष्ट है। 1991 के उदारीकरण सुधारों के बाद भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है, जो लाइसेंस-राज युग के बाद आई थी। प्रौद्योगिकी, नवाचार और उद्यमिता में महत्वपूर्ण प्रगति के कारण भारत अब सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और अंतरिक्ष अन्वेषण जैसे उद्योगों में दुनिया भर में एक महाशक्ति है। देश के तेजी से आधुनिकीकरण के बावजूद, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता फली-फूली है। स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में सुधार के साथ-साथ, स्थानीय कलाओं, भाषाओं और रीति-रिवाजों को बढ़ावा देकर सामाजिक ताने-बाने को मजबूत किया गया है। संयुक्त राष्ट्र, जी20 और ब्रिक्स जैसे संगठनों में अपनी सक्रिय भागीदारी के साथ, अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर भारत का प्रभाव काफी बढ़ गया है। एक जिम्मेदार वैश्विक नेता के रूप में इसका विकास डिजिटल समावेशिता, जलवायु कार्रवाई और दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने में इसके नेतृत्व द्वारा उजागर होता है। लेकिन अभी भी बहुत सारे मुद्दे हैं जिन्हें हल करने की आवश्यकता है। अपने उल्लेखनीय आर्थिक विस्तार के बावजूद, भारत अभी भी गंभीर असमानता का सामना कर रहा है। बेरोजगारी, ग्रामीण गरीबी और असमान संसाधन वितरण जैसी समस्याओं के कारण समग्र प्रगति बाधित हो रही है। जाति, धर्म और क्षेत्रीय विभाजन अक्सर संघर्ष में बदल जाते हैं, जिससे सामाजिक सद्भाव की परीक्षा होती है। गणतंत्र दिवस पर मनाई जाने वाली एकता को बनाए रखने के लिए इन अंतरों को पाटना आवश्यक है। भले ही शासन में प्रगति हुई हो, लेकिन भ्रष्टाचार और अप्रभावी लोक प्रशासन प्रगति के रास्ते में बाधा बने हुए हैं। अक्सर नौकरशाही की बाधाएँ नीतियों के कुशल क्रियान्वयन में बाधा डालती हैं। जैसा कि भारत अपनी उपलब्धियों का जश्न मना रहा है, भविष्य के लिए नए समर्पण और प्रयास की आवश्यकता है। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांतों को बनाए रखना एक साझा लक्ष्य होना चाहिए। अधिक समान समाज के लिए यह आवश्यक है कि हाशिए पर पड़े लोगों को राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल किया जाए। 75 वर्षों के बाद, भारतीय गणतंत्र अभी भी मजबूत है और बेहतर भविष्य के लिए अपने रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

देश में शहरों का भू-रिकॉर्ड

मनुस्मृति में राजाओं द्वारा भू-राजस्व संग्रह के उल्लेख से लेकर शेरशाह और मुगलकाल में राजा टोडरमलन द्वारा विकसित भू-अभिलेख प्रणाली, ब्रिटिशकाल के दौरान विकसित भू-माप प्रणाली और स्वतंत्रता के बाद विकसित भू-अभिलेख व्यवस्था के बाद से भारत ने ग्रामीण क्षेत्रों में अब पूर्णतया डिजिटल भू-रिकॉर्ड और मानचित्रण तक पहुंचने की लंबी यात्रा तय कर ली है। गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु तथा कुछ अन्य शहरों को छोड़कर भारत में शहरी भू-अभिलेख नहीं रखे जाते।

अधिकांश रूप से उप पंजीयक कार्यालय में पंजीकृत संपत्ति का खरीद-बिक्री का ब्यौरा ही शहरी भू-अभिलेख का एकमात्र साधन है। पंजीकरण अधिनियम, 1908 के तहत कार्य करने वाले उप रजिस्ट्रार विक्रेता की जानकारी रखने के कुछ उचित उपाय करते हैं, लेकिन उन्हें उन सभी दस्तावेजों को पंजीकृत करना चाहिए जो उनके सामने प्रस्तुत किए जाते हैं। सरकारी भू-अभिलेखों के अभाव में शहरी भूमि संपत्ति के मामलों में धोखाधड़ी और विवाद की आशंका बनी रहती है।

भारत में तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहे महानगरीय बस्तियों के आसपास के गैर-शहरी इलाके (पेरी-अर्बन) में निजी डेवलपर्स कृषि भूमि को लेकर उन्हें कॉलोनियों में बदल रहे हैं। इन कॉलोनियों को स्थानीय अधिकारियों द्वारा योजनाबद्ध अनुमोदन के साथ या उसके बिना ही विकसित किया जा रहा है। अनधिकृत कॉलोनियों में एक ही प्लॉट की कई बार बिक्री के बहुत सारे मामले सामने आ रहे हैं। सरकारी भूमि अभिलेखों के न रहने से महंगी शहरी भूमि के मामले में अनिश्चितता, जोखिम, क्रेताओं को अनावश्यक परेशानी और मुकदमेबाजी होती है। कंप्यूटरकृत भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) से ड्रोन/विमान के माध्यम से पांच सेमी की सटीकता से अब भू-मानचित्र दो लाख रुपये प्रति किलोमीटर की उचित लागत पर 2-4 महीने की अवधि में तैयार किया जा सकता है। सरकारी अधिकारियों को ऐसे मानचित्रों का जमीनी सत्यापन करने और स्वामित्व दस्तावेजों को सत्यापित करने की आवश्यकता है। नगर पालिका संपत्ति कर डेटा स्वामित्व पर प्रारंभिक जानकारी प्रदान करता है। व्यक्तिगत भूखंड और मालिकाना विवरण के साथ विस्तृत नक्शे प्रकाशित करने के उपरांत, सार्वजनिक आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं।

शहर के सर्वेक्षण का कठिन हिस्सा जमीनी स्तर पर इनकी पहचान करना और स्वामित्व दस्तावेजों को प्रमाणित करना है। जमीनी सत्यापन के लिए बड़ी संख्या में टीमों को शामिल करने की आवश्यकता पड़ती है जिनमें सर्वेक्षक और सरकारी अधिकारी होते हैं। भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित नगर सर्वेक्षण में भी वास्तविक कब्जे वाली भूमि और अधिकार दस्तावेज के बीच अंतर पाया गया है। जीआईएस आधारित मापों की उच्चस्तरीय सटीकता में पांच प्रतिशत तक अंतर होता है। नए रिकॉर्ड में उनके कब्जे में कम भूमि दिखने के कारण भू-मालिक आपत्ति दर्ज करते हैं। इसके अतिरिक्त कई मामलों में भू-स्वामित्व स्पष्ट नहीं होता या इस पर विवाद रहता है।

शहरी भू-सर्वेक्षण में बड़ी जनशक्ति लगती है और भूमि स्वामित्व संबंधी आपत्तियों के सावधानीपूर्वक निपटान की आवश्यकता पड़ती है। राज्य सरकार की ओर से इसके लिए व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर) ने एक वर्ष में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 152 शहरों में नक्शा (एनएकेएसएचए) नामक शहर सर्वेक्षण पायलट कार्यक्रम आरंभ किया है। इसके बाद अगले चरण में 1000 शहरों में यह सर्वेक्षण किया जाएगा और 5 वर्षों में सभी 4912 शहरों में यह योजना चलाई जाएगी।

शहरी भूमि रिकॉर्ड और शहर के सर्वेक्षण से प्राप्त नक्शे नागरिकों को अधिकार प्रदान करते हैं। अन्य संबंधित डेटा जैसे मालिक/किरायेदार परिवार का विवरण, संपत्ति कर, भवन योजना अनुमोदन, बिजली, पानी और गैस को भी इसी आधार पर समेकित किया जा सकता है। इससे नागरिकों के जीवन में सुगमता आएगी और विभिन्न स्थानीय सरकारी एजेंसियों को उनके कार्य में सुविधा होगी।

कई कैमरों के साथ, शहरों की त्रिआयामी छवि और डिजिटल ट्विन उत्पन्न होते हैं। इनका उपयोग बेहतर संपत्ति कर मूल्यांकन और शहरी नियोजन के लिए किया जा सकता है। लेजर आधारित लिडार इमेजिंग ऊंचाई मानचित्रण प्रदान करती है जो शहरों में तूफान/बाढ़ के पानी की निकासी और आपदा की स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकालने लिए बेहतर डिजाइन बनाने में सहायक होती है। यह परिवहन योजना, सड़क विकास, ढांचागत विकास के लिए भूमि अधिग्रहण और शहरी नियोजन के अन्य पहलुओं को सुगम बनाता है। भारत के कई शहरों में ड्रोन से चित्र लिए गए हैं, लेकिन शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) में क्षमता की कमी से उनका इन उद्देश्यों के लिए उपयोग नहीं किया गया है। राज्यों और यूएलबी को जीआईएस प्रौद्योगिकियों और शहरी नियोजन में निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता लेने की आवश्यकता है। दस लाख की आबादी वाले शहर में इन कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि 5 करोड़ रुपये से अधिक नहीं लगेगी। यह गहन प्रयास है जिसमें धन का इतना महत्व नहीं है। भारत अगले 5 वर्षों में हवाई इमेजरी के सरल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से शहरी भूमि रिकॉर्ड सुव्यवस्थित करने, संपत्ति कर के बेहतर मूल्यांकन और शहरी नियोजन समाधान तथा बाढ़ शमन उपायों को विकसित करना चाहता है।

(लेखक, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग के सचिव हैं।)

शहर के सर्वेक्षण का कठिन हिस्सा जमीनी स्तर पर इनकी पहचान करना और स्वामित्व दस्तावेजों को प्रमाणित करना है। जमीनी सत्यापन के लिए बड़ी संख्या में टीमों को शामिल करने की आवश्यकता पड़ती है जिनमें सर्वेक्षक और सरकारी अधिकारी होते हैं। भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित नगर सर्वेक्षण में भी वास्तविक कब्जे वाली भूमि और अधिकार दस्तावेज के बीच अंतर पाया गया है। जीआईएस आधारित मापों की उच्चस्तरीय सटीकता में पांच प्रतिशत तक अंतर होता है। नए रिकॉर्ड में उनके कब्जे में कम भूमि दिखने के कारण भू-मालिक आपत्ति दर्ज करते हैं। इसके अतिरिक्त कई मामलों में भू-स्वामित्व स्पष्ट नहीं होता या इस पर विवाद रहता है।

दिल्ली के हर मतदाता के हाथ में लड्डू!

ऋतुपर्ण दवे

दिल्ली में विधानसभा चुनाव बेहद अलग और दिलचस्प है। मौजूदा सरकार के सुप्रीमो केजरीवाल जैसी मुफ्त की रेवड़ियों का वादा अब तो सभी पार्टियां और राज्य न केवल करने लगे हैं बल्कि पूरा भी कर रहे हैं। ऐसे में यह चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा।

दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्त जीत दर्ज की। 34 वर्ष के चौधरी ब्रह्म प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रह्म प्रकाश एक्सीडेंटल मुख्यमंत्री बने। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रह्म प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। बिना तामझाम काम करते और जनसाधारण के बीच रहते। 1955 में कांग्रेस ने गुरमुख निहाल सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जो 1956 तक रहे। राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के चलते साल भर बाद दिल्ली विधानसभा भंग हुई। 1966 में इसकी जगह मेट्रोपोलिटन काउंसिल बनी। इसमें 56 निर्वाचित और पांच मनोनीत सदस्यों का प्रावधान था। लेकिन 1991 में 69वें संविधान संशोधन के जरिए दिल्ली विधानसभा की व्यवस्था हुई और 1992 में परिसीमन और 1993 में चुनाव हुए।

1993 में भाजपा बहुमत में आई। मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला। लेकिन पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदले गए। खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोड़नी पड़ी। फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा। इनके बाद सुषमा स्वराज को कमान मिली जो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं।

1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया। कांग्रेस की जीत हुई और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। दिल्ली में फ्लाई ओवरों का जाल, मेट्रो रेल का विस्तार, डीजल की जगह सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा और हरियाली पर खास ध्यान सहित दूसरे काम उनकी पहचान बने। 1998 से 2013 तक तीन बार लगातार दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस और शीला दीक्षित काबिज रहीं। इस बीच 2011 में जन लोकपाल विधेयक की मांग पर दिल्ली में अन्ना आंदोलन हुआ। अप्रैल में पांच दिन का आमरण अनशन और दोबारा 16 अगस्त से फिर अनशन बैठते ही देश भर में आन्दोलनों की दस्तक हुई। आखिर संसद में बिल पास हुआ और देखते-देखते अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी और कई चेहरे भारतीय राजनीति के नए हीरो बन गए। आम आदमी पार्टी ने 2013 का दिल्ली चुनाव लड़ा और 15 वर्षों से काबिज कांग्रेस सरकार गिरा दी। 70 सीटों में भाजपा ने 32 जीती फिर भी बहुमत से दूर रही। आम आदमी पार्टी 28 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस की 7 सीटों के समर्थन से सरकार बनाने में कामयाब रही और अन्ना आन्दोलन से उपजे केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने।

कहते हैं राजनीति शह-मात का खेल है। आआपा और कांग्रेस की नहीं निभी। आखिर 49 दिन में सरकार गिर गई और राष्ट्रपति शासन लग गया। 2015 में फिर चुनाव हुए। इसमें दिल वालों की दिल्ली ने केजरीवाल पर अपनी उम्मीदों की बख्शीश खूब लुटाई। 70 में से 67 रिकॉर्ड सीटें जीतकर केजरीवाल भारतीय राजनीति के नए सितारे बन गए। भाजपा केवल तीन सीटें तो कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई। केजरीवाल भी अपनी तमाम घोषणाओं पर अमल करते रहे। नतीजन 2020 में एक बार आम फिर आदमी पार्टी ने 62 सीटें तो भाजपा 8 से आगे नहीं बढ़ पाई। कांग्रेस शून्य पर ही रही। लुभावनी योजनाओं का असर दिखा। आआपा को फिर बहुमत मिला और केजरीवाल मुख्यमंत्री बने। इसके बाद विवादों में घिरे, जेल गए और मुख्यमंत्री पद छोड़ा। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भले हैं लेकिन पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल ही हैं।

बेहतरीन सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं को मुफ्त बस सुविधा, 200 यूनिट बिजली फ्री, 20 हजार लीटर मुफ्त पानी, बुजुर्गों का मुफ्त तीर्थ दर्शन जैसी अन्य योजनाओं के साथ नई-नई घोषणाएं करते केजरीवाल तो 1998 से 2013 तक के कार्यकाल को दिल्ली का स्वर्णिम काल बता कांग्रेस असली विकास और उपलब्धियां गिनाते नहीं थकती। भाजपा मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की तर्ज पर महिलाओं को हर महीने धनराशि देने, मौजूदा योजनाओं को न केवल जारी रखने बल्कि उसमें बढ़ोतरी करने जैसा संकल्प यानी एक से एक लुभावनी घोषणाओं का पिटारा खोल आम आदमी पार्टी को चुनौती देने में कोई कसर छोड़ते नहीं दिखती।

मुफ्त की रेवड़ियों, लोक-लुभावन घोषणाओं के बीच दिल्ली का प्रदूषण, यमुना की गंदगी, बदहाल सड़कें, बरसात में डूबते पुल-पुलिया, पीने के पानी की किल्लत, बढ़ते अपराध और इन सबसे ऊपर दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा जैसे अहम मुद्दे काफी पीछे छूट गए हैं। काश! एक करोड़ की आबादी खातिर मौजूदा संसाधनों वाली दिल्ली में तीन करोड़ लोग कैसे रहते हैं को देखने, सुनने वाले जैसे आम आदमी के मुद्दों की भी बात होती। लेकिन फिलहाल माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम की तर्ज पर मतदाताओं को लुभाने में कोई पीछे नहीं दिखता। अब दिल्ली की बात कौन करे? देखने लायक होगा कि त्रिकोणीय मुकाबले में कौन किसको कितना नुकसान पहुंचाता है और बाजी जीतता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सात्विक राजनीति के उन्नायक बन कर उभरे योगी आदित्यनाथ

आचार्य संजय तिवारी

सनातन संत के संयोजन में प्रयागराज कुंभ का अद्भुत स्वरूप उभर रहा है। वैश्विक पटल पर सनातन की गूंज है। विश्व आश्चर्यचकित है। कई देशों की उतनी आबादी नहीं है जितने श्रद्धालु प्रतिदिन पवित्र त्रिवेणी में स्नान कर रहे हैं।

जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर में कुंभ का आरंभ किया उसके बाद की व्यवस्था सम्भाल रहे योगी आदित्यनाथ वास्तव में सात्विक शासक बन कर उभरे हैं।

इसे सात्विक राजनीति का उन्नयन काल भी कहा जा सकता है। एक तरफ विश्व संत्रस्त है। अनेक देश युद्ध की विभीषिका में घिरे हैं। मानवता कराह रही है। स्त्रियों, वृद्धों, मासूम बच्चों की लाशें गिनती से बाहर हैं। पश्चिम में बारूद ही बारूद है। भारत के पास पड़ोस में भी बारूदी धुएं से वातावरण दूषित है। मनुष्य ही मनुष्य का दुश्मन बनकर रक्तपिपासु हो गया है। कई वर्षों से आसमान में तोप, रॉकेट और सुपरसोनिक युद्धक विमान कोहराम मचाए हुए हैं।

ऐसे माहौल में भारत की सनातन संस्कृति अपने सृष्टि पर्व के माध्यम से विश्व के कल्याण का उदघोष कर रही है।

सनातन संत परंपरा और सात्विक राजनीति के उन्नायक योगी आदित्यनाथ के संयोजन में प्रयागराज के त्रिवेणी तट से जो संदेश विश्व को प्रसारित हो रहा है वह नए भारत के प्राचीन गौरव के साथ बहुत कुछ कह रहा है। योगी आदित्यनाथ ने इस महा आयोजन को उतना ही गौरवशाली बना दिया है। योगी के अथक परिश्रम से यह कुंभ विश्व को भारत के सात्विक सनातन और समन्वय की राजनीति का भी संदेश दे रहा है। यह भारत के अध्यात्म की ध्वज तरंग को डिग दिगंत तक प्रसारित करने वाला है।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि सभी अखाड़ों, संप्रदायों, जगद्गुरुओं और शंकराचार्यों के साथ ही समस्त नागा एवं संत समाज इस समय योगी आदित्यनाथ के इस परिश्रम और उनके दिव्य संयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहा है।

ऐसा पहली बार हो रहा है कि समस्त विद्वत और संत समाज एक स्वर से अपने शासक की तारीफ कर रहा हो। भारत की प्राण मां गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र त्रिवेणी तट पर प्रयागराज में करोड़ों लोग आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह अद्भुत है।

प्रधानमंत्री मोदी का विश्वगुरु भारत का सपना साकार हो रहा है। प्रयाग की धरती से भारत विश्व को मानवता और लोक कल्याण का संदेश दे रहा है। भारत की संस्कृति, अध्यात्म और आस्था के आगे विश्व नतमस्तक है। धरती का हर कोना प्रयागराज से आकर्षित है। सभी यहां आना चाहते हैं।

सभी पवित्र त्रिवेणी में डुबकी भी लगाना चाहते हैं। यह वास्तव में विश्व के अन्वेषकों और चिंतनशील शोधार्थियों के लिए कौतुक जैसा है।

ऐसा क्यों है, यह विचारणीय है। अभी कुछ ही दिन हुए, 26 दिसंबर 2024 को द हिंदू ने हिंसाग्रस्त विश्व के हालातों पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। इस रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2024 में कई ऐसे अंतरराष्ट्रीय संघर्ष हुए, जिन्होंने भू-राजनीतिक परिदृश्य और वैश्विक स्थिरता को चुनौती दी। यूक्रेन में चल रहे युद्ध से लेकर मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव तक , इस वर्ष गठबंधनों में बदलाव और विनाशकारी सैन्य अभियान देखने को मिले। इन संकटों का प्रभाव उनके तत्काल क्षेत्रों से कहीं आगे तक फैला, जिसने दुनिया भर में राजनयिक संबंधों और रणनीतिक प्राथमिकताओं को प्रभावित किया।

रिपोर्ट में कहा गया कि बीते वर्ष की शुरुआत रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध 2022 के युद्ध को जारी रखने के साथ हुई , जिसका उद्देश्य उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को अपनी सीमाओं की ओर बढ़ने से रोकना था। गाजा पट्टी, लेबनान और लेबनान का खूनखराबा सामने है।

ऐसा क्यों है, यह विचारणीय है। अभी कुछ ही दिन हुए, 26 दिसंबर 2024 को द हिंदू ने हिंसाग्रस्त विश्व के हालातों पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। इस रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2024 में कई ऐसे अंतरराष्ट्रीय संघर्ष हुए, जिन्होंने भू-राजनीतिक परिदृश्य और वैश्विक स्थिरता को चुनौती दी। यूक्रेन में चल रहे युद्ध से लेकर मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव तक , इस वर्ष गठबंधनों में बदलाव और विनाशकारी सैन्य अभियान देखने को मिले। इन संकटों का प्रभाव उनके तत्काल क्षेत्रों से कहीं आगे तक फैला, जिसने दुनिया भर में राजनयिक संबंधों और रणनीतिक प्राथमिकताओं को प्रभावित किया। रिपोर्ट में कहा गया कि बीते वर्ष की शुरुआत रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध 2022 के युद्ध को जारी रखने के साथ हुई , जिसका उद्देश्य उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को अपनी सीमाओं की ओर बढ़ने से रोकना था। गाजा पट्टी, लेबनान और लेबनान का खूनखराबा सामने है। हमास, हिजबुल्ला, हूथी का खौफनाक चेहरा दुनिया देख रही है। इजराइल सबसे मुकाबला कर रहा है।

हमास, हिजबुल्ला, हूथी का खौफनाक चेहरा दुनिया देख रही है। इजराइल सबसे मुकाबला कर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के साथ ही यूक्रेन को अमेरिका से मिलने वाले समर्थन में बदलाव आने की संभावना बनी।

इस बीच, क्षेत्र में ईरानी प्रॉक्सी कमजोर हो गए हैं, जिससे इजराइल को अपनी क्षेत्रीय स्थिति को और मजबूत करने का मौका मिल गया है। 12 दिसंबर 2024 से पहले के 12 महीनों के लिए 10 देशों को चरम संघर्ष वाले देशों की श्रेणी में रखा गया है। ये हैं - फिलिस्तीन, म्यांमार, सीरिया, मैक्सिको, नाइजीरिया, ब्राज़ील, लेबनान, सूडान, कैमरून और कोलंबिया। 2024 में साल एक जनवरी से 13 दिसंबर तक, युद्ध, विस्फोट, दूरस्थ हिंसा और नागरिकों के खिलाफ हिंसा में 200,000 से अधिक लोग मारे गए। इस मृत्यु दर का लगभग आधा हिस्सा मुख्य रूप से तीन देशों से आता है:- यूक्रेन, फिलिस्तीन और म्यांमार। हालांकि वास्तविक मौतों का आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा है। पिछले वर्षों में, अफगानिस्तान में संघर्ष से संबंधित मौतों का एक बड़ा हिस्सा रहा है, खासकर तालिबान द्वारा सरकार पर कब्जा करने से पहले। यह संकट अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, संघर्ष समाधान और मानवीय हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता की कड़ी याद दिलाते रहे। इस रिपोर्ट में सब कुछ सत्य नहीं है किंतु सत्य के काफी निकट अवश्य है। वैश्विक परिदृश्य में सनातन भारत की यह खगोलीय महावैज्ञानिक घटना अपने 46 दिनों की इस अवधि में बहुत कुछ स्थापित करने वाली है। यह सनातन भारत की आत्मिक शक्ति है जिसके आगे दुनिया नतमस्तक है। यही है कुंभ और यही है भारत की वह भारतीय सनातनी परंपरा जो भारत को विश्वगुरु बना देती है।

(लेखक, सनातन संस्कृति के मान्य आचार्य और संस्कृति पर्व के संपादक हैं।)

आईएसएल में मोहन बागान सुपर जायंट का बेंगलुरु एफसी से मुकाबला

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में सोमवार को मोहन बागान सुपर जायंट अपने घरेलू मैदान विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन पर बेंगलुरु एफसी का सामना करेगा। यह मैच शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। मोहन बागान सुपर जायंट 17 मैचों में 11 जीत, चार ड्रा और दो हार के साथ 37 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है। टीम ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में तीन जीते हैं और दो ड्रा खेले हैं। वहीं, बेंगलुरु एफसी 17 मैचों में आठ जीत, चार ड्रा और पांच हार से 28 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है। बेंगलुरु अपने पिछले चार मुकाबलों (1 ड्रा, 3 हार) में कोई जीत हासिल नहीं कर पाए हैं और मोहन बागान से नौ अंक पीछे हैं। यह मुकाबला जीतकर उनके लिए अंतर पाटने का अच्छा अवसर होगा। मैच से पहले मोहन बगान के हेड कोच जोस मोलिना ने माना कि शीर्ष स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है। उन्होंने कहा कि हम लड़ते रहेंगे। आप जानते हैं कि लीग शील्ड जीतना आसान नहीं होने वाला है। हालांकि, हमारे पास अभी भी दूसरी टीमों से ज्यादा अंक हैं। बेंगलुरु एफसी के हेड कोच जेरार्ड जारागोजा को आगामी मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह मैच कठिन होगा। यह दो तरफ के अच्छे खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा। मुझे उम्मीद है कि हम कड़ी चुनौती पेश करेंगे।

श्रीजेश पद्म भूषण से होंगे सम्मानित,अश्विन समेत चार को मिलेगा पद्मश्री

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश और क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन समेत पांच खिलाड़ियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। पीआर श्रीजेश को पद्म भूषण मिलेगा जबकि रविचंद्रन अश्विन, फुटबॉलर आईएम विजयन और भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज हरविंदर सिंह और पैरा-एथलेटिक्स कोच सत्यपाल सिंह को पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा। भारत रत्न और पद्म विभूषण के बाद पद्म भूषण भारत का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक पुरस्कार है। पद्म श्री चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। पद्म पुरस्कार सरकार द्वारा व्यक्तियों को किसी भी क्षेत्र में उनकी विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। पीआर श्रीजेश वर्तमान में भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम के कोच के रूप में कार्यरत हैं, महान मेजर ध्यानचंद के बाद पद्म भूषण से सम्मानित होने वाले केवल दूसरे हॉकी खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्हें 1956 में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। श्रीजेश का शानदार करियर 18 साल का रहा और उन्होंने 336 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वह टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे।

सिनर ने ज्वेरेव को सांत्वना देकर खेल भावना का किया प्रदर्शन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत के बाद जैनिक सिनर की खेल भावना का प्रदर्शन चर्चा का विषय बन गया है। यहां फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ जीत के बाद सिनर को ज्वेरेव के कंधों पर हाथ रख कर उन्हे सांत्वना दी। मैच के बाद एक इंटरव्यू में उन्होने कहा वह उन संघर्षो को समझते हैं जिनका सामना ज्वेरेव ने अपनी ग्रैंड स्लैम यात्रा में किया था। हम देख सकते हैं, वह भावुक था और उसने नकारात्मक तरीके से बात की। मैंने उसका हौसला बनाए रखने की कोशिश की क्योंकि दिन के अंत में हम सहकर्मी हैं। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा ईमानदारी से कहूं तो मैं हर खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ चाहता हूं। मैंने उससे कहा, विश्वास रखो, काम करते रहो। तुम्हारा समय आने वाला है। सिनर ने ज्वेरेव की अपार क्षमता और भविष्य की सफलता की संभावनाओं पर भी अपना विश्वास व्यक्त किया। सिनर ने कहा, उनके पास कई कोर्ट पर शानदार मौके हैं। मैं जानता हूं कि उनके पास बहुत सारे मौके हैं और मुझे लगता है कि कोई भी अन्य खिलाड़ी उनसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम का हकदार नहीं होगा। मैं उन्हें केवल शुभकामनाएं देता हूं।

मुल्तान की जंग दिलचस्प मोड़ पर,पाक को जीत के लिये 178 रनो की दरकार

मुल्तान । बल्लेबाजी के लिये मुश्किल मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच दो दिन के खेल में ही निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। वेस्टइंडीज की पहली पारी 163 रन के जवाब में पाकिस्तान की पहली पारी में 154 रन पर ढेर हो गयी। नौ रन बढ़त के साथ वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में 244 रन बनाये और पाकिस्तान को जीत के लिये 254 रन का लक्ष्य दिया। दिन का खेल खत्म होने के समय पाकिस्तान दूसरी पारी में चार अहम विकेट 76 रन पर गंवा चुका था और मैच में जीत के लिये उसे अभी भी 178 रनो की जरुरत है।

पिच के रुख को देखते हुये पाकिस्तान के लिये हालांकि यह लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं होगा जबकि मैच के तीसरे दिन सोमवार को वेस्टइंडीज के गेंदबाज मेजबान टीम के शेष छह विकेट जल्द निकालने की कोशिश करेंगे। दिन का खेल खत्म होने के समय सउद शकील 13 और कासिफ अली एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। पाकिस्तान की उम्मीदें सउद शकील पर टिकी हुयी है जिन्होने पहली पारी में 32 रन बनाये थे। उनके अलावा विकेट कीपर मो रिजवान भी पाकिस्तान की जीत के नायक बनने की कुव्वत रखते हैं जो पहली पारी में मात्र एक रन से अपने अर्धशतक से चूक गये थे।

अंगूठे की चोट के साथ कुहनेमन ने पहला प्रशिक्षण सत्र पूरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। मैट कुहनेमन ने स्वीकार किया कि उन्हें थोड़ी देर के लिए डर लगा था कि उनके अंगूठे की चोट के कारण श्रीलंका दौरे पर जाने की उनकी उम्मीदें समाप्त हो सकती हैं, लेकिन टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के गाले पहुंचने पर उन्होंने और स्टीवन स्मिथ ने पूर्ण प्रशिक्षण सत्र पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बाएं हाथ के स्पिनर कुहनेमन के दाहिने हाथ के अंगुठे पर इस महीने की शुरुआत में ब्रिसबेन हीट के लिए खेलते हुए चोट लग गई थी। वह सप्ताहांत में श्रीलंका में टीम के साथ फिर से जुड़ गए और दो मैचों की श्रृंखला के लिए द्वीप पर पहुंचने के बाद रविवार दोपहर का पहला पूर्ण सत्र पूरा किया।

कार्यवाहक कप्तान स्मिथ, जिन्हें बीबीएल में कोहनी में मामूली चोट लगी थी, ने नेट पर बल्लेबाजी में उतना ही समय बिताया जितना किसी और ने बिताया और ऐसा नहीं लगा कि वे किसी परेशानी में हैं। हर टीम सदस्य ने वैकल्पिक सत्र में भाग लिया।स्पष्ट रूप से टर्निंग परिस्थितियों की तैयारी के लिए, ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर ने इस

महीने की शुरुआत में एससीजी में टेस्ट डेब्यू पर मध्यम गति की गेंदबाजी के बजाय अपने करियर के शुरुआती दिनों की तरह दाएं हाथ की ऑफ स्पिन गेंदबाजी की।कुहनेमन अपने दाहिने अंगूठे पर ब्रेस पहनना जारी रखे हुए हैं और मेडिकल स्टाफ उनकी निगरानी करेगा। उनकी चोट स्मिथ की तुलना में ज़्यादा गंभीर लग रही है, लेकिन कुहनेमन 29 जनवरी से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले पूरी तरह से फिट महसूस कर रहे हैं। कुहनेमन ने पहले प्रशिक्षण सत्र से पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, मैंने घर पर कुछ सत्र किए और मैं स्पष्ट रूप से बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण तथा गेंदबाजी के अलावा हर चीज में सतर्क था, मुझे कोई समस्या नहीं हुई। कुछ साल पहले भी यही अंगूठा चोटिल हुआ था और यह वास्तव में दर्दनाक था, लेकिन यह शुरू से ही ठीक है। सर्जरी का इंतजार करते हुए,कुहनेमन ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि उन्हें श्रीलंका में अपने तीन टेस्ट कैप में कुछ और मौका मिलेगा या नहीं। 28 वर्षीय खिलाड़ी को 2023 में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के लिए देर से बुलाया गया था, और उसके बाद से उपमहाद्वीप के दौरे की कमी ने उन्हें आगे के अवसरों से वंचित कर दिया। कुहनेमन दुबई में आईसीसी अकादमी में टीम के तैयारी शिविर में शामिल नहीं हो सके, लेकिन पिछले सप्ताह एलन बॉर्डर फील्ड में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ड्ढ के साथ हिट-आउट करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, लड़कों ने कहा कि मैंने बहुत कुछ मिस नहीं किया और ब्रिस्बेन में मैं जिस विकेट पर गेंदबाजी कर रहा था वह आठ दिन पुराना था, इसलिए यह काफी अच्छा रहा।

भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने पेशेवर करियर की धमाकेदार शुरुआत की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने अपने पेशेवर मुक्केबाजी करियर की शानदार शुरुआत करते हुए लास वेगास के कॉस्मोपॉलिटन में खेले गए मुकाबले में एल्टन विगिन्स पर पहले राउंड में स्टॉपेज के जरिए शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला 25 जनवरी को डिएगो पचेको बनाम स्टीव नेल्सन अंडरकार्ड का हिस्सा था। निशांत, जो पहले ही एडी हर्न और मैचरूम बॉक्सिंग के साथ करार कर चुके हैं, को पूर्व पेशेवर मुक्केबाज रोनाल्ड सिम्स द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह जीत उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत देती है और भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक नया आयाम जोड़ती है।

निशांत देव ने 2024 पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, वह मैक्सिको के मार्को वर्डे से मामूली अंतर से हार गए थे। पेशेवर मुक्केबाजी में कदम रखने से पहले, निशांत को अपनी पीढ़ी के भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरुष शौकिया मुक्केबाज के रूप में जाना जाता था। 2023 आईबीए बॉक्सिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने क्यूबा के एक मुक्केबाज को हराकर इतिहास रच दिया था। वह ऐसा करने

वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बने। यह उपलब्धि उनकी क्षमता और कौशल को दर्शाती है। निशांत की यह जीत उनके समर्थकों और भारतीय खेल जगत के लिए गर्व का विषय है। उनके प्रदर्शन ने भारतीय मुक्केबाजी के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं।

एफसी बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर लगातार चौथी बार महिला सुपर कप जीता

एजेंसी

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना की महिला फुटबॉल टीम ने अपना दबदबा कायम रखते हुए रियल मैड्रिड को 5-0 से करारी शिकस्त दी और लगातार चौथी बार महिला सुपर कप का खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना, जो स्पेन की लीगा एफ में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बनाए हुए है, ने मैच के हर क्षण में अपना वर्चस्व दिखाया।

मैच के 30वें मिनट में नॉर्वे की कैरोलिन ग्राहम-हैनसेन ने पहला गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। इसके बाद 37वें मिनट में पोलिश फॉरवर्ड इवा पाजोर ने शानदार गोल करते हुए बढ़त को 2-0 कर दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में पाजोर ने एक और गोल कर बार्सिलोना को 3-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने अपना आक्रमण जारी रखा। 62वें मिनट में पैट्री गुइजारो ने दूर से शक्तिशाली शॉट मारकर चौथा गोल किया। मैच के

85वें मिनट में कप्तान एलेक्सिया पुटेलस ने हेडर से गोल करते हुए स्कोर 5-0 कर दिया। यह स्कोर अंत तक बरकरार रहा।यह जीत बार्सिलोना की महिला टीम के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। लगातार चार महिला सुपर कप खिताब जीतकर बार्सिलोना ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और टीमवर्क का परिचय दिया है। मैच के दौरान बार्सिलोना ने न केवल अपने आक्रमण को मजबूती से प्रदर्शित किया, बल्कि रियल मैड्रिड को कोई मौका नहीं दिया। यह जीत बार्सिलोना के महिला फुटबॉल में प्रभुत्व को और मजबूत करती है।

इंडोनेशिया मास्टर्स 2025ः चीन को रजत, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया का दबदबा

जकार्ता। इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 इस्तोरा सेनयान स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां विभिन्न देशों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मिश्रित युगल फाइनल में चीन के गुओ झिनवा और चेन फांगहुई जापान के हिरोकी मिडोरिकावा और नात्सु सैतो के हाथों 21-15, 21-17 से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गए। यह मुकाबला 34 मिनट तक चला, जिसमें जापानी जोड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाया। पुरुष एकल फाइनल में थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न ने मेजबान इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-18 से हराया और खिताब पर कब्जा जमाया।

महिला एकलः थाईलैंड की रत्चानोक का दबदबा

थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन ने महिला एकल फाइनल में दक्षिण

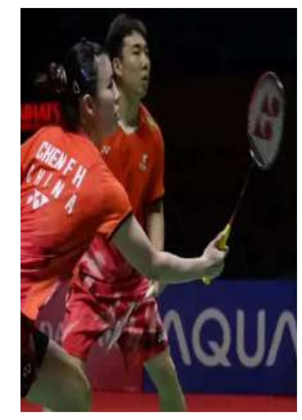

कोरिया की सिम यू-जिन को सीधे सेटों में 21-18, 21-17 से हराते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पुरुष युगलः मलेशिया ने जीता

स्वर्ण पुरुष युगल फाइनल में मलेशिया के मैन वेई चोंग और टी काई वुन ने इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद रियान अर्दियांतो को 21-11, 21-19 से हराकर खिताब जीता।

महिला युगलः दक्षिण कोरिया का शानदार प्रदर्शन

महिला युगल फाइनल में दक्षिण कोरिया की किम हये-जियोंग और कोंग ही-योंग ने इंडोनेशिया की पर्ली टैन और मुरलीधरन थिनाह को 21-12, 17-21, 21-18 से हराकर खिताब पर कब्जा किया।

इस टूर्नामेंट में थाईलैंड और दक्षिण कोरिया का दबदबा देखने को मिला, जबकि चीन और मेजबान इंडोनेशिया स्वर्ण पदक जीतने में असफल रहे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्वकपः बांग्लादेश को हरा सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी

क्वालालंपुर। आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम ने कुआलालंपुर के बायुमास ओवल में सुपर सिक्स ग्रुप-1 मैच में बांग्लादेश को 8 विकेट से हराकर दिया है। इस जीत के साथ, भारत अपने सुपर सिक्स ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया और एक मैच बाकी रहते हुए अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारत मंगलवार को अपने अंतिम सुपर सिक्स क्रिकेट मैच में स्कॉटलैंड से खेलेगा। भारतीय महिला टीम की कप्तान निकी प्रसाद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत ने बांग्लादेश को 20 ओवर में सिर्फ 64 रनों पर ही समेट दिया। 65 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ने महज 7.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर 8 विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज की।

बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही और पहले ओवर में ही सलामी बल्लेबाज मोसम्मत ईवा (2) का विकेट गंवाया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने बांग्लादेश ने घुटने टेक दिए और लगातार विकेट खोए। बांग्लादेश के किसी भी बल्लेबाज ने बड़ा स्कोर नहीं बनाया। वहीं, कप्तान सुमैया अख्तर ने सबसे ज्यादा एक चौके के साथ 29 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहीं। बांग्लादेश ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर भारत को 65 रनों का लक्ष्य दिया। वैष्णवी शर्मा का इस मैच भी शानदार प्रदर्शन जारी रहा और उन्होंने तीन विकेट हासिल किए। इसके अलावा शबनम शकील, जोशिता वीजे और गोंगाडी तृषा ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने भारतीय टीम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। सलामी बल्लेबाज गोंगाडी तृषा ने दमदार बल्लेबाजी की और 31 गेंदों में 40 रनों की पारी खेली, जिसमें आठ चौके जड़े। इसके अलावा जी. कमालिनी ने तीन रन का योगदान दिया। जबकि सानिका चालिके 11 रन और निकी प्रसाद पांच रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत ने महज 7.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 66 रन बनाकर जीत दर्ज की। वैष्णवी शर्मा को उनके गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

जानिक सिनर ने लगातार दूसरी बार जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब

एजेंसी

मेलबर्न। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज जानिक सिनर ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को सीधे तीन सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इटली के 23 साल के सिनर ने बिना कोई ब्रेक प्वाइंट गंवाये दूसरी रैंकिंग वाले ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (4), 6-3 से सीधे सेटों में शिकस्त दी। इस तरह सिनर साल 1992 और 1993 में जिम कूरियर के बाद लगातार दो बार इस ट्रॉफी को जीतने वाले खिलाड़ी बन गए।सिनर ने बेसलाइन से ज्वेरेव की अटैक करने की क्षमता को सीमित करते हुए पहले सेट में सर्विस के पीछे शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी पहली डिलीवरी के बाद 85 प्रतिशत अंक जीते। परिणामस्वरूप, ज्वेरेव को प्रतियोगिता में लय बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा और उनके सामान्य रूप से अच्छे सर्विस के पीछे दबाव बढ़ता गया, अंततः वे छठे ब्रेक पॉइंट पर सेट गंवा बैठे। जब 23 वर्षीय

खिलाड़ी ने दूसरे सेट के सातवें गेम में बैकहैंड के लिए स्ट्रेच करने के बाद अपने ऊपरी बाएं पैर को पकड़कर खींचा, तो सिनर के खेमे के लोगों के चेहरों पर चिंता की लकीरें उभर आईं। फिर भी सिनर ने 12वें गेम में 30/30 के दबाव में 21 शॉट की शानदार रैली में ज्वेरेव को पछाड़कर किसी भी तरह की असुविधा को दूर कर दिया, जिसमें उन्होंने बैकहैंड पास बनाने से पहले 81 मीटर दौड़ लगाई।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट राउंड 8: प्रज्ञानानंद और गुकेश के बीच मुकाबला ड्रॉ

विज्क आन जी। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश के साथ रोमांचक मुकाबले में ड्रॉ खेला। बर्लिन डिफेंस में सफेद मोहरों से खेलते हुए, प्रज्ञानानंद ने एक अनुकूल स्थिति बनाई, लेकिन गुकेश ने अपने बेहतरीन बचाव से खेल को बराबरी पर बनाए रखा।खेल के दौरान गुकेश ने काउंटरप्ले को आगे बढ़ाने के लिए एक मोहरे की बलि दी। हालांकि प्रज्ञानानंद ने इसका लाभ उठाने की कोशिश की, लेकिन खेल बराबरी के करीब बना रहा। जैसे ही रानियों का आदान-प्रदान हुआ, खेल एक रूक और प्यादों के अंतिम गेम में पहुंचा, जहां गुकेश ने शानदार रणनीति अपनाते हुए एक बाहरी पास मोहरा बना लिया। प्रज्ञानानंद के पास इसे रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। 33 चालों के बाद मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।इस ड्रा के साथ प्रज्ञानानंद और गुकेश दोनों 5.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर बने रहने

की संभावना है। वहीं, दूसरे ओवरनाइट लीडर उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ ड्रॉ खेला, जिससे वह भी शीर्ष स्थान पर बने रहेंगे।ग्रैंडमास्टर पी. हरिकृष्णा ने डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेला। रुई लोपेज़ के आर्कएंजेल्स्क वेरिएशन में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआती मध्य खेल के बाद दोनों खिलाड़ियों ने बराबरी पर खेल को खत्म किया। हरिकृष्णा के अब 4 अंक हैं, जबकि गिरी ने लगातार सातवां ड्रॉ खेलते हुए 3.5 अंक जुटाए।

अर्जुन एरिगैसी ने सर्बिया के एलेक्सी सराना के साथ ड्रॉ खेला, जबकि लियोन ल्यूक मेंडोंका ने हॉलैंड के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के खिलाफ भी ड्रॉ निकाला। अर्जुन, मेंडोंका से आधे अंक पीछे हैं।

38वें राष्ट्रीय खेलों में 364 शूटर 29 टीमों का करेंगे प्रतिनिधित्व

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में कुल 364 शीर्ष शूटर, जिनमें ओलंपिक पदक विजेता, विश्व और एशियाई चैंपियन शामिल हैं, 29 टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे। ये टीमें राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और सेवाएं खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) से मिलकर बनी हैं। शूटिंग प्रतियोगिताएं देहरादून (राइफल/पिस्टल) और रुद्रपुर (शॉटगन) में 28 जनवरी से 13 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। पंजाब के 32 शूटर और हरियाणा के 31 शूटर सबसे बड़ी टीमों के रूप में भाग ले रहे हैं। इसके बाद एसएससीबी (27) का स्थान है। महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के अलावा मेजबान राज्य उत्तराखंड की टीम में भी 20 शूटर होंगे। केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली, दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव, और जम्मू और कश्मीर में सबसे बड़ी टीमें हैं, जिनमें नौ-नौ शूटर शामिल हैं। हरियाणा ने पिछले राष्ट्रीय खेलों (गोवा 2022) में पांच गोल्ड के साथ पंजाब (चार गोल्ड) को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया था। मध्य प्रदेश (2 गोल्ड), महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने पांच गोल्ड जीते थे। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी शूटर इस बार प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगे। स्वप्निल कुसाले, सरबजोत सिंह और विजय कुमार जैसे ओलंपिक पदक विजेता भी इस खेल में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि पूर्व एयर राइफल विश्व चैंपियन रुद्रांशक बलसाहेब पटिल भी महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में अपनी-अपनी श्रेणियों में खिताब की रक्षा करने वाले चार ओलंपियन भी शामिल होंगे। इनमें पंजाब के अंजुम मौदगिल (महिला 3पी), अंगद बाजवा (पुरुष स्कीट) और राजेश्वरी कुमारी (महिला ट्रैप) और मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (जिन्होंने गोवा में डबल गोल्ड जीते थे) शामिल हैं।

ओडिशा वॉरियर्स बनी ऐतिहासिक महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग की चैंपियन

एजेंसी

रांची। ओडिशा वॉरियर्स ने जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को हराकर महिला हॉकी इंडिया लीग 2024-25 का उद्घाटन संस्करण का खिताब जीत लिया है। रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में वॉरियर्स ने सूरमा को 2-1 से हराया। रुतुजा दादासो पिसाल (20वें मिनट, 56वें मिनट) ने वॉरियर्स के लिए दोनों गोल किए, जबकि सूरमा के लिए पेनी स्क्विब (28वें मिनट) ने एकमात्र गोल किया। ओडिशा वॉरियर्स बनाम सूरमा हॉकी क्लब फाइनल मुकाबला शुरू से ही तेज़ गति से खेला गया। हॉकी टीम ओडिशा वॉरियर्स की फ्रीके मोएस ने पहली बार गेंद को सर्कल में पहुंचाया, लेकिन सूरमा हॉकी क्लब की डिफेंस ने उसे विफल कर दिया। इस दौरान, सूरमा ने धीरे-धीरे बॉल पज़ेशन पर पकड़ बनानी शुरू की। पहला क्वार्टर गोलरहित समाप्त हुआ। हालांकि, वॉरियर्स की नेहा ने रुतुजा पिसाल को गोल के सामने पास दिया, लेकिन सूरमा की अनुभवी गोलकीपर सविता ने शानदार बचाव कर लिया। दूसरे क्वार्टर में मिडफील्ड में टक्कर जारी रही, लेकिन विक्टोरिया सॉज़े के पास का डिफ्लेक्शन अचानक हाई हो गया, जिसका फायदा उठाते हुए रुतुजा पिसाल ने इसे सविता के ऊपर से नेट में डालकर वॉरियर्स को (1-0) बढ़त दिला दी। सूरमा ने बराबरी के लिए दबाव बनाया और क्वार्टर खत्म होने से दो मिनट पहले दूसरा पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। पेनी स्क्विब ने बेहतरीन ड्रैग फ्लिक के जरिए वॉरियर्स की गोलकीपर जोसेलिन बार्ट्रम को छकाते हुए स्कोर 1-1 कर दिया। तीसरा क्वार्टर शुरू होते ही सूरमा ने आक्रामक खेल दिखाया। शार्लेट एंगलबर्ट और ओलिविया शैनन ने कई बार वॉरियर्स की गोलकीपर जोसेलिन बार्ट्रम को चकमा देने का प्रयास किया। सूरमा को पांच मिनट के अंदर पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन ज्योति का शॉट डिफेंडर्स ने आसानी से रोक लिया। वॉरियर्स ने इसके बाद मैच पर पकड़ बनाने की कोशिश की, लेकिन तीसरा क्वार्टर भी बिना किसी गोल के समाप्त हुआ। आखिरी क्वार्टर में दोनों टीमें संभलकर खेल रही थीं। मैच के अंतिम आठ मिनटों में वॉरियर्स को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन नेहा का शॉट गोल से ऊपर चला गया। जल्द ही, एक काउंटर-अटैक के दौरान रुतुजा पिसाल को सर्कल में ढीली गेंद मिली, जिसे उन्होंने सविता के पैरों के बीच से गोलपोस्ट में पहुंचाकर ओडिशा को 2-1 से फिर बढ़त दिला दी।

राष्ट्रीय खेलों में पुरुष और महिला व्यक्तिगत ट्रायथलॉन में मणिपुर और महाराष्ट्र चमके

एजेंसी

हल्द्वानी। राष्ट्रीय खेलों में मणिपुर ने एक बार फिर सहनशक्ति खेलों में अपना दबदबा कायम किया, जब सरुंगबम अथौबा मैतेई ने पुरुषों की व्यक्तिगत ट्रायथलॉन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। उनके साथी टेल्हेबा सोराम ने रजत पदक जीतकर राज्य के लिए ऐतिहासिक 1-2 फिनिश दर्ज किया। महाराष्ट्र के पार्थ सचिन मिराजे ने कांस्य पदक हासिल किया, जिससे यह स्पर्धा बेहद रोमांचक रही। अथौबा मैतेई ने 1:01:01 के कुल समय में दौड़ पूरी की। उनकी प्रदर्शन समय में 09:55 मिनट की तैराकी, 31:53 मिनट का साइकिलिंग और 18:09 मिनट की दौड़ शामिल थी। वह तैराकी में दूसरे, साइकिलिंग में पहले और दौड़ में चौथे स्थान पर रहे, जिससे उनकी हर वर्ग में शानदार निरंतरता का प्रदर्शन हुआ।

रजत पदक विजेता टेल्हेबा सोराम ने 1:02:10 के कुल समय में दौड़ पूरी की और मणिपुर के लिए दोहरा पोडियम सुनिश्चित किया। वहीं, महाराष्ट्र के पार्थ सचिन मिराजे ने 1:01:14 के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

अपने प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए सरुंगबम अथौबा मैतेई ने कहा, मैं खुश हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं पूरी तरह से क्यों खुश नहीं हूं। मैं और अधिक अभ्यास करना चाहता हूं और ज्यादा से ज्यादा टूर्नामेंट खेलकर बेहतर बनना चाहता हूं क्योंकि मैं अभी सिर्फ 18 साल का हूं। वहीं, महिलाओं की व्यक्तिगत

ट्रायथलॉन स्पर्धा में महाराष्ट्र ने पोडियम पर अपना वर्चस्व स्थापित किया। डॉली देविदास पाटिल ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी राज्य साथी मानसी विनोद मोहिते ने रजत पदक हासिल किया। मध्य प्रदेश की आद्या सिंह ने कांस्य पदक जीतकर कड़ी प्रतिस्पर्धा पेश की।डॉली देविदास पाटिल ने कुल 1:10:03 के समय में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें तैराकी का समय 10:35 मिनट, साइकिलिंग 35:51 मिनट और दौड़ 20:37 मिनट का था। वह तैराकी में सबसे तेज, साइकिलिंग में तीसरे और दौड़ में दूसरे स्थान पर रहीं, जिससे उनकी बहुमुखी क्षमता उजागर हुई। रजत और कांस्य पदक की दौड़ बेहद रोमांचक रही, जहां मानसी विनोद मोहिते ने 1:10:43 में रेस पूरी की और आद्या सिंह को केवल चार सेकंड के अंतर से पीछे छोड़ा। आद्या ने 1:10:47 का समय लिया, जिससे यह स्पर्धा राष्ट्रीय खेलों की सबसे रोमांचक दौड़ों में से एक बन गई। अपनी जीत पर डॉली देविदास पाटिल ने कहा, यह मेरा पहला स्वर्ण पदक है किसी भी राष्ट्रीय खेल में, इसलिए मैं बहुत खुश हूं। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की और अब बहुत राहत महसूस कर रही हूं। मणिपुर और महाराष्ट्र ने इस प्रदर्शन के साथ सहनशक्ति और बहु-विषयक खेलों में अपनी ताकत को और मजबूत किया है। इन राज्यों के खिलाड़ियों ने बार-बार अपनी मेहनत, कौशल और क्षमता का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय खेलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

यस बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में करीब तीन गुना होकर 612 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के यस बैंक ने वित?त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में करीब तीन गुना होकर 612 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 231 करोड़ रुपये रहा था। यह लाभ फंसे कर्ज के लिए प्रावधानों में कमी के कारण हुआ।यस बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि चालू वित?त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 9,341 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 8,179 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरन बैंक की ब्याज आय बढ़कर 7,829 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,984 करोड़ रुपये थी। बैंक के मुताबिक दिसंबर तिमाही में यस बैंक की शुद्ध ब्याज आय 10 फीसदी बढ़कर 2,224 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,017 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 2.4 फीसदी पर स्थिर रहा। बैंक का परिचालन लाभ दिसंबर तिमाही में बढ़कर 1,079 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 864 करोड़ रुपये था।

सीसीपीए का भ्रामक दावों के विज्ञापन के लिए विजन आईएएस पर 3 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सीएसई 2020 के परिणाम के बारे में कथित रूप से भ्रामक दावों का विज्ञापन करने के लिए विजन आईएएस कोचिंग पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के मद्देनजर विजन आईएएस कोचिंग पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय उपभोक?ता संरक्षण प्राधिकरण के मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता में सीसीपीए ने विजन आईएएस के खिलाफ यह आदेश जारी किया है। सीसीपीए ने अपनी जांच में पाया कि संस?था ने सफल उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया। हालांकि, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2020 में उक्त सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम के संबंध में जानकारी उपर्युक्त विज्ञापन में प्रकट नहीं की गई थी। सीसीपीए का ये निर्णय उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और संवर्धन के लिए लिया गया था। मंत्रालय के मुताबिक यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी वस्तु या सेवा का कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन न किया जाए, जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो।

स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचा खर्च को मिले प्राथमिकता: जिंदल

नयी दिल्ली। भारत के सबसे बड़े स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस को उम्मीद है कि आगामी केंद्रीय बजट में स्टेनलेस स्टील क्षेत्र के विकास में बाधा बनने वाली प्रमुख चुनौतियों से निपटने को प्राथमिकता दी जाएगी। कंपनी ने कहा कि स्टेनलेस स्टील उद्योग भारत के विनिर्माण क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और अर्थव्यवस्था के विकास में अत्यधिक योगदान देता है। सरकार से उम्मीद है कि वह स्टेनलेस स्टील उद्योग की कुछ प्रमुख आवश्यकताओं को पूरा करेगी, जिनमें अंतर्देशीय जलमार्ग, रेलवे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना, आवश्यक कच्चे माल के आयात पर शून्य आयात शुल्क जारी रखना और सस्ते आयात से होने वाले नुकसान को रोकना आदि शामिल हैं। केंद्रीय बजट 2025-26 से पहले जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा, ÷स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने के लिए, हम सरकार को बुनियादी ढांचे पर खर्च को प्राथमिकता देते रहने और अंतर्देशीय जलमार्ग, रेल बुनियादी ढांचे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे के विकास पर खास ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना एक और महत्वपूर्ण जरूरत है। हमारी सलाह है।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.9 अरब डॉलर घटकर 623.9 अरब डॉलर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में गिरावट होने से 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.9 अरब डॉलर घटकर 623.9 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.7 अरब डॉलर लुढ़ककर 625.9 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.9 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 533.1 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.1 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 68.95 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10 लाख डॉलर बढ़कर 17.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 7.4 करोड़ डॉलर कम होकर 4.1 अरब डॉलर पर आ गया।

पीएम सूर्यघर का उद्देश्य नागरिकों को ऊर्जा उत्पादक बनने के लिए सशक्त बनाना है: जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य नागरिकों को ऊर्जा उत्पादक बनाकर उन्हें सशक्त बनाना है। इसके साथ ही डिस्कॉम को बिजली बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करने में सक्षम बनाना है।

प्रहलाद जोशी ने राजधानी नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए आमंत्रित नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के 750 विशेष अतिथियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आम लोग अब भारत की अक्षय ऊर्जा क्रांति के केंद्र में हैं। उनका काम, समर्पण और सफलता इस बात का सबूत है कि हम एक राष्ट्र के रूप में क्या हासिल कर सकते हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के 750 विशेष अतिथियों को संबोधित करते हुए जोशी ने कहा कि पीएम सूर्य घर और पीएम कुसुम के लाभार्थी भारत के अक्षय ऊर्जा आंदोलन के असली राजदूत हैं। उन?होंने देश के विभिन्न भागों से पीएम सूर्याघर और पीएम कुसुम के लाभार्थियों ने इस अवसर पर बात की। जोशी ने उन्हें समय पर प्राप्त होने वाली सब्सिडी, बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के पीएम सूर्याघर पोर्टल पर आसानी से पंजीकरण कराने तथा इसकी स्थापना के कारण बिजली बिल शून्य होने और भारी बचत की सराहना की। प्रहलाद जोशी ने भारत की अक्षय ऊर्जा यात्रा में नेतृत्व करने के लिए उनकी सराहना भी की। केंद्रीय मंत्री ने कहा, कर्नाटक के धारवाड़ में, पीएम सूर्य घर के एक लाभार्थी ने सौर ऊर्जा अपनाकर शून्य बिजली बिल प्राप्त किया। केंद्र सरकार से 78,000 रुपये की सब्सिडी के साथ यह सफलता की कहानी पूरे देश में टिकाऊ और ऊर्जा-कुशल समाधानों को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को उजागर करती है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के पीएम कुसुम लाभार्थी राकेश रोही ने मंत्री को बताया कि पीएम कुसुम योजना से लाभान्वित होने के बाद उन्होंने अपने खेत में सौर पंप स्थापित किए, जिससे उनकी उपज में काफी सुधार हुआ है। इस अवसर पर एमएनआरई के विशेष अतिथियों ने पहले प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा किया, वे कल गणतंत्र दिवस परेड देखेंगे। वहीं, एमएनआरई सचिव निधि खरे ने कहा कि मंत्रालय योजनाओं के कार्यान्वयन में सुधार के लिए लाभार्थियों से सीखने और सुनने के लिए हमेशा तैयार है।

भाजपा के घोषित संकल्पों का दिल्ली के व्यापारियों ने किया स्वागत: प्रवीण खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिल्ली में सील हुई 13 हजार दुकानों को भाजपा सरकार बनने के छह महीनों में खोलने का 'संकल्प पत्र' का स्वागत किया है। उन्होंने इसे दिल्ली के व्यापार की दुश्वारियों को दूर करने वाला भाजपा का बहुत बड़ा संकल्प बताया है।

चांदनी चौक से भाजपा के सांसद तथा कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने गृह मंत्री अमित शाह के दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के छह महीनों में 13 हजार दुकानों की सील खोलने के 'संकल्प पत्र' का स्वागत करते हुए कहा कि व्यापार अधिक सुगमता से हो सकेगा और व्यापार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। खंडेलवाल ने कहा कि इसके साथ ही अनाधिकृत कॉलोनियों के लोगों को मालिकाना हक देने वाले संकल्प का भी स्वागत किया है।खंडेलवाल ने कहा कि अमित शाह द्वारा जारी भाजपा के संकल्प पत्र में दिल्ली ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के गठन, व्यापारिक लाइसेंस की अवधि तीन वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष, दिल्ली रिटेल ट्रेड पालिसी को बनाने, व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर बिजली की दरों को कम करने, दिल्ली के बाजारों में दिल्ली मार्केट अपग्रेडेशन मिशन के तहत ढांचागत विकास करने, दिल्ली के व्यापार को डिजिटल टेक्नोलॉजी से जोड़ने, व्यापारिक मुद्दों को ट्रेड ट्रिब्यूनल गठित कर सुलझाने, व्यापारियों को दुर्घटनाग्रस्त बीमा देने जैसे संकल्पों का दिल्ली के व्यापारियों ने खुलकर स्वागत किया है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार आज लगातार दूसरे दिन मामूली गिरावट नजर आ रही है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 82,410 रुपये से लेकर 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 75,540 रुपये से लेकर 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 97,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की

कीमत 75,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एफटीए पर बातचीत जारी रहने के बीच ओमान जाएंगे पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली।केंद्रीय वाणिज्?य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 27- दो दिवसीय ओमान दौरे पर रहेंगे। गोयल मस्कट यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत की प्रगति की समीक्षा करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 27- ओमान का दौरा करेंगे। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री के साथ फिक्की और ओमान वाणिज्य एवं उद्योग मंडल के बीच संयुक्त व्यापार परिषद की बैठक के लिए एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा।

मंत्रालय के मुताबिक गोयल इस यात्रा के दौरान ओमान सल्तनत के वाणिज्य, उद्योग और निवेश संवर्धन मंत्री महामहिम कैस बिन मोहम्मद बिन मूसा अल-यूसेफ के साथ 11वीं संयुक्त आयोग की ओमान के मस्कट में होने वाली बैठक (जेसीएम) में भाग लेंगे। उनकी यात्रा ओमान के साथ व्यापार एवं निवेश संबंधों के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करने तथा दोनों देशों के बीच संबंधों को और

मजबूती प्रदान करने के लिए है।

वाणिज्य मंत्री के ओमान यात्रा के दौरान उद्योग और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने के अलावा सुल्तान बिन सलीम अल हबसी, वित्त मंत्री और सीईपीए के लिए मंत्रिस्तरीय समिति के अध्यक्ष, महामहिम शेख डॉ अली बिन मसूद अल सुनैदी, अध्यक्ष, विशेष आर्थिक क्षेत्र और मुक्त क्षेत्र सार्वजनिक प्राधिकरण (ओपीएजेड) के लिए सार्वजनिक प्राधिकरण से मिलने की भी उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि ओमान के साथ भारत का व्यापार एवं निवेश संबंध बेहतर रहा है। दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 2023-2024 के दौरान 8.94 अरब यूएस डॉलर से अधिक रहने का अनुमान है।

स्पाइसजेट एक फरवरी से चेन्नई से प्रयागराज के लिए भरेगी सीधी उड़ान

एजेंसी

चेन्नई/नई दिल्ली। बजट एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट एक फरवरी से चेन्नई से प्रयागराज के लिए सीधी उड़ान भरेगी। साथ ही महाकुंभ के लिए 27 फरवरी तक रोजाना अपनी उड़ान सेवा संचालित करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि स्पाइसजेट एयरलाइन प्रयागराज-चेन्नई और प्रयागराज-हैदराबाद के बीच सीधी उड़ान संपर्क शुरू करेगी। महाकुंभ में भाग लेने के इच्छुक यात्रियों की सेवा करने के लिए यह फैसला लिया है। चेन्नई और हैदराबाद से प्रयागराज के लिए विशेष उड़ानें एक से 27 फरवरी तक संचालित की जाएंगी। प्रयागराज के लिए गुवाहाटी से ऐसी ही सेवाएं 11 से 28 फरवरी तक चलाई जाएंगी। स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा कि कंपनी महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले यात्रियों को निर्बाध उड़ान मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। एयरलाइन दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर और बेंगलुरु से और ज्यादा उड़ानें जोड़कर प्रयागराज

के लिए अपनी दैनिक सेवाओं को बढ़ाएगी। महर्षि ने कहा कि गुवाहाटी, चेन्नई और हैदराबाद से सीधी उड़ानों और बढ़े हुए फेरों के साथ हमारा लक्ष्य देशभर के भक्तों के लिए यात्रा को सुविधाजनक और सुलभ बनाना है। उल्लेखनीय है कि स्पाइसजेट चेन्नई से प्रयागराज के लिए सीधी उड़ान शुरू करने वाली पहली एयरलाइन है।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा: लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली, ग्लोबल मार्केट के कमजोर सेंटीमेंट और तीसरी तिमाही के मिले-जुले नतीजों की वजह से घरेलू शेयर बाजार का माहौल ज्यादातर समय कमजोर बना रहा। पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद सेंसेक्स 428.87 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,190.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 111 अंक यानी 0.47 प्रतिशत लुढ़क कर 23,092.20 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। बाजार में आई गिरावट के कारण घरेलू शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद घट कर 419.61 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। इसके पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 428.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार से शुक्रवार के कारोबार से करीब 9.11 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।पूरे सप्ताह के कारोबार के दौरान बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स 1 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल जोमैटो, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, पॉलीकैब इंडिया, आईडीबीआई बैंक और ट्रेंट लिमिटेड के शेयरों में 8 से लेकर 13 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट्स, ब्रिटानिया इंडस्टरीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और ग्रासिम इंडस्ट्रीज के शेयरों में 4 से लेकर 13 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई। इसी तरह बीएसई का मिडकैप इंडेक्स पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद 2.3 प्रतिशत की साप्ताहिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल वन 97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम), यूएनओ मिंडा, प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स, ऑयल इंडिया लिमिटेड, ओबेरॉय रियल्टी और गोदरेज प्रॉपर्टीज के शेयरों में 10 से लेकर 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर एम्फैसिस, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस, यूनाइटेड ब्रेवरीज, परसिस्टेंट सिस्टम्स, कोफोर्जे और लॉरस लैब्स के शेयर साप्ताहिक कारोबार में मुनाफा कमाकर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। साप्ताहिक कारोबार के दौरान बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स में सबसे अधिक 4.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से न्यू जेन सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी, पर्ल ग्लोबल इंडस्टरीज स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी, साईएंट, रामकृष्ण फोर्जिंग्स, नेट वेब टेक्नोलॉजी इंडिया, सुंदरम क्लेटॉन और इंडिया सीमेंट्स के शेयर 18 से लेकर 26 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, जना स्मॉल फाइनेंस कंपनी, एमपीएस, फेयर केम ऑर्गेनिक्स, एसएमएल इसुजू, कापरी ग्लोबल कैपिटल, रामको सिस्टम, जेंसर टेक्नोलॉजी, बॉम्बे बर्मा ट्रेडिंग कॉरपोरेशन, विष्णु केमिकल्स और ग्लोबल स्पिरिट्स के शेयरों में 7 से 24 प्रतिशत तक की मजबूती दर्ज की गई।

अगले सप्ताह सिर्फ 2 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 6 शेयरों की होगी स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली शुरू हो रहे अगले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में तुलनात्मक तौर पर कम हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ दो नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। हालांकि निवेशकों के पास इन दोनों आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह लॉन्च हुए तीन आईपीओ में भी 28 जनवरी तक बोली लगाने का मौका है। आईपीओ लॉन्चिंग के अलावा अगले सप्ताह 6 कंपनियों के शेयरों की स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग भी होने वाली है। इस सप्ताह बुधवार 29 जनवरी को डॉ अग्रवाल हेल्थ केयर का 3,027.26 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। निवेशक इस आईपीओ में 29 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 382 से 402 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है।

कंपनी के शेयर 5 फरवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसी दिन मालपानी पाइप्स एंड फिटिंग्स का 25.92 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 31 जनवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 85 से 90 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयर 5 फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इन दोनों आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 23 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले सीएलएन एनर्जी के 72.30 करोड़ रुपये के आईपीओ में निवेशक सोमवार 27 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। ये आईपीओ अभी तक तीन गुना सब्सक्राइब हो चुका है। आईपीओ के तहत कंपनी ने 235 से 250 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी के शेयर 30 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा पिछले सप्ताह 24 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एचएम इलेक्ट्रो मेक के 27.74 करोड़ रुपये के पब्लिक इश्यू में मंगलवार 28 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इस इश्यू के तहत 71 से 75 रुपये का प्राइस बैंड और 1,600 शेयर का लॉट साइज तय किया गया है। इसी तरह 24 जनवरी को ही ओपन हुए जीबी लॉजिस्टिक कॉमर्स के 25.07 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी 28 जनवरी तक निवेशक बोली लगा सकते हैं। आईपीओ के तहत 95 से 102 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड और 1,200 शेयर का लॉट साइज तय किया गया है। जीबी लॉजिस्टिक्स और एचएम इलेक्ट्रो मेक के शेयर भी 31 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

गिरिराज सिंह 28 जनवरी को हथकरघा सम्मेलन 'मंथन' का उद्घाटन करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह 28 जनवरी को नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में हथकरघा सम्मेलन 'मंथन' का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर एचएमओटी हथकरघा बुनकरों के लिए ई-पहचान पोर्टल और हथकरघा पुरस्कार का ऑनलाइन मॉड्यूल भी लॉन्च करेगा।

कपड़ा मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि यह पहल बुनकरों की आजीविका में सुधार के साथ समग्र हथकरघा उद्योग में सुधार के लिए सरकार के प्रयासों के अनुरूप है। सम्मेलन में करीब 250 हितधारक भाग लेंगे, जिनमें 21 पैनलिस्ट शामिल हैं। इसमें देश के सभी हिस्सों से आने वाले 120 हैंडलूम लाभार्थी, बुनकर सेवा केंद्रों और आईआईएचटी के 35 अधिकारी, करीब 25 राज्य सरकार के अधिकारी (हैंडलूम, रेशम और

वस्त्र) और वस्त्र मंत्रालय के विभिन्न अन्य विभागों और प्रतिष्ठानों के अधिकारी शामिल हैं। सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों को एक मंच प्रदान करना है, जहां वे एक साथ आकर हथकरघा क्षेत्र के विकास के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं, नवाचारों और रणनीतियों को साझा कर सकें।

अमिताभ बच्चन 'इंडिया गेट' बासमती चावल के बने ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। इंडिया गेट बासमती चावल की मूल कंपनी केआरबीएल लिमिटेड ने दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को अपने बासमती चावल 'इंडिया गेट' ब्रांड का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। कंपनी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में केआरबीएल लिमिटेड ने दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को इंडिया गेट बासमती चावल का ब्रांड एंबेसडर बनाकर अपनी साझेदारी का खुलासा किया है। केआरबीएल ने कहा कि 'इंडिया गेट' के साथ अमिताभ बच्चन का जुड़ाव ब्रांड की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अमिताभ बच्चन ने कहा कि इंडिया गेट बासमती चावल सिर्फ एक ब्रांड नहीं है। यह एक विरासत है, जो पीढ़ियों से भारतीय घरों का हिस्सा है।केआरबीएल लिमिटेड के भारत में व्यवसाय प्रमुख आयुष गुप्ता ने कहा कि हम अमिताभ बच्चन का केआरबीएल परिवार में स्वागत करते हुए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका शानदार कद, अटूट ईमानदारी और कालातीत आकर्षण हमारे मूल्यों और समृद्ध विरासत के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। गुप्ता ने कहा कि उनकी मौजूदगी के साथ कंपनी का लक्ष्य अपने उपभोक्ता जुड़ाव को गहरा करना है। उल्लेखनीय है कि केआरबीएल लिमिटेड एक भारतीय चावल प्रसंस्करण और निर्यात करने वाली कंपनी है, जो दुनिया की सबसे बड़ी चावल मिलर है।

टॉप 10 में शामिल 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.25 लाख करोड़ की गिरावट, 6 का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 4 के मार्केट कैप (बाजार पूंजीकरण) में गिरावट आ गई, वहीं 6 के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई। नुकसान में रहने वाली 4कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 1.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। इसमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, फायदे में रहने वाली 6 कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 58,554.88 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। इसमें इंफोसिस सबसे अधिक फायदे में रही।इस सप्ताह के कारोबार के दौरान इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिन्दुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में गिरावट आ गई। टॉप 10 में शामिल कंपनियों के मार्केट कैप की ये स्थिति तब हुई, जब पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 428.87 अंक यानी 0.55 प्रतिशत टूट गया। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 111 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की कमजोरी का शिकार हो गया।सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान इंफोसिस का मार्केट कैप 24,934.38 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,78,612.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 9,828.08 करोड़ रुपये बढ़ कर 12,61,627.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा भारती एयरटेल का मार्केट कैप 9,398.89 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,36,413.86 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 9,262.30 करोड़ रुपये उछल कर 15,01,976.67 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 3,442.15 करोड़ रुपये चढ़ कर 5,56,594.67 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईटीसी का मार्केट कैप 1,689.08 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,52,392.01 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 74,969.35 करोड़ रुपये कम होकर 16,85,998.34 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 21,251.99 करोड़ रुपये घट कर 5,19,472.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 17,626.13 करोड़ रुपये फिसल कर 6,64,304.09 करोड़ रुपये के स्तर तक और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 11,549.98 करोड़ रुपये कम होकर 8,53,945.19 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 16,85,998.34 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस (कुल मार्केट कैप 15,01,976.67 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 12,61,627.89 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,36,413.86 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 8,53,945.19 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 7,78,612.76 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 6,64,304.09 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,56,594.67 करोड़ रुपये) आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,52,392.01 करोड़ रुपये) और भारतीय जीवन बीमा निगम (कुल मार्केट कैप 5,19,472.06 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

ओली सरकार के विरोध में नहीं बोलने का सत्तारूढ़ में शामिल नेपाली कांग्रेस के सांसदों को निर्देश

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के कामकाज की शैली, उनके फैसले और उनकी नीतियों का सत्तारूढ़ घटक दल के नेताओं द्वारा लगातार विरोध होने के बाद नेपाल कांग्रेस ने अपने सांसदों और नेताओं को नसीहत दी है। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले ओली सरकार की सरकार में सहभागी नेपाली कांग्रेस के पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा ने शनिवार को अपने सभी सांसदों, पार्टी पदाधिकारियों और शीर्ष नेताओं की संयुक्त बैठक कर संसद के भीतर और बाहर ओली सरकार की आलोचना नहीं करने की सख्त हिदायत दी है।पार्टी बैठक के बाद प्रवक्ता डॉ प्रकाश शरण महत ने बताया कि ओली सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश का पार्टी सांसदों और नेताओं द्वारा खुल कर विरोध किए जाने के कारण गठबंधन पर असर हो रहा है। इसलिए पार्टी अध्यक्ष देउवा ने सभी को अध्यादेश के पक्ष में बोलने के लिए सांसदों और नेताओं को निर्देश दिया है। पार्टी प्रवक्ता महत ने यह भी कहा कि सरकार की नीति और फैसलों से नाखुश होने के बावजूद सभी सांसदों को संसद के भीतर इसके विरोध में नहीं बोलने का भी निर्देश दिया है। देउवा ने अपने सांसदों से कहा है कि जितना विरोध होना था हो गया अब कोई भी नेता या सांसद सरकार के विरोध में सदन के भीतर या बाहर कही भी नहीं बोल सकते है ।

इजराइल ने 200 फिलिस्तीनी कैदियों को किया रिहा, गाजा में लोग मना रहे जश्न

तेल अवीव। गाजा में 15 महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से हुए युद्धविराम समझौते के तहत शनिवार को 200 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा किया है। यह रिहाई हमास द्वारा चार महिला इजराइली सैनिकों को छोड़े जाने के बाद हुई। रिपोर्ट के अनुसार, रिहा होने वाले 200 फिलिस्तीनी बंदियों में से करीब 121 इजरायली जेलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। जबकि कुछ को इजरायली अदालतों ने हत्या के मामले में दोषी ठहराया था। वहीं वेस्ट बैंक के रामल्ला शहर में हजारों फिलिस्तीनियों ने इजराइल-हमास युद्धविराम के तहत रिहा किए गए दर्जनों कैदियों को ले जाने वाली बसों के आगमन का जश्न मनाया गया है। लोगों में खुशी का माहौल है और पटाखे फोड़े गए हैं। दूसरी ओर, हमार ने जिन चार महिलाओं को रिहा किया है, वो इजराइली सैनिक हैं। जिनका पहचान करीना एरीव, डेनिएला गिल्बोआ, नामा लेवी और लिरी अलबाग के तौर पर हुई है। इन्हें 07 अक्टूबर को हमास के हमले के दौरान इजरायल के नाहल ओज सैन्य अड्डे से ले गाजा ले जाया गया था। वे एक सैन्य निगरानी इकाई की सदस्य थीं।

ट्रंप प्रशासन का अमेरिकी दूतावास को निर्देश- सभी देशों में अमेरिकी सहायता तत्काल प्रभाव से रोकने का आदेश

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा दुनिया भर को दी जा रही अमेरिकी आर्थिक सहयोग को तत्काल बंद करने का निर्देश दिया गया है। दुनिया भर में फैले अपने राजदूतावास को एक पत्र भेजते हुए ट्रंप प्रशासन की ओर से सभी प्रकार के जारी आर्थिक सहयोग को तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्देश दिया गया है। अमेरिकी सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट के तरफ से सभी राजदूतावास को भेजे गए पत्र में सभी मौजूदा विदेशी सहायता पर रोक लगाने के साथ साथ नई सहायता को भी रोकने का निर्देश दिया गया है। काठमांडू में अमेरिकी दूतावास के एक अधिकारी ने बताया कि सभी देशों के राजदूतों को भेजे गए निर्देश में अगले 90 दिनों तक के लिए सभी आर्थिक सहायता पर रोक लगाने की पुष्टि की है। बताया गया है कि ट्रंप प्रशासन के तरफ से सभी देशों के साथ अपने विदेश नीति में समीक्षा के बाद ही इस आर्थिक सहायता को जारी रखने पर कोई निर्णय लिया गया है। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के अनुसार 2023 में अमेरिका ने दुनिया के तमाम देशों को विभिन्न शीर्षकों में कुल 68 बिलियन डॉलर का आर्थिक सहयोग किया था।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली 5 दिनों से सार्वजनिक कार्यक्रमों में नहीं दिखे, डॉक्टर ने बीमारी को बताया कारण

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली पिछले पांच दिनों से किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में नहीं दिखे। इसको लेकर राजनीतिक हलके में कई प्रकार की अटकलों के बीच ओली के निजी चिकित्सक ने उनके बीमार होने को इसका कारण बताया है। ओली के निजी चिकित्सक डॉ. दिव्या शाह ने मीडियाकर्मियों से कहा कि उनके (ओली) गले में इन्फेक्शन के साथ ही सर्दी-जुखाम भी है। प्रधानमंत्री को पूरी तरह से आराम करने और बोलने वाले कार्यक्रमों में बिल्कुल भी नहीं जाने की सलाह दी गयी है। प्रधानमंत्री ओली के निजी सचिव ने बताया कि बीमार होने के कारण पिछले पांच दिनों से प्रधानमंत्री के सभी सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द किए गए हैं। विगत सोमवार से प्रधानमंत्री की तबीयत बिगड़ने के बाद उनके सभी मुलाकात और सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। ओली अपने सरकारी आवास में ही आराम कर रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कोलंबिया पर कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोलंबिया के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की। उन्होंने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के कोलंबियाई प्रवासियों को निर्वासित करने वाली अमेरिकी सैन्य उड़ानों के प्रवेश से इनकार करने के जवाब में यह कदम उठाए हैं। ट्रंप ने कोलंबिया से आयात पर कड़े नए टैरिफ और वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की है। यूएसए टुडे समाचार पत्र की खबर के अनुसार, कोलंबिया के राष्ट्रपित पेट्रो ने हथकड़ी लगे बंदियों की तस्वीरों की ओर इशारा करते हुए ट्रंप प्रशासन पर कोलंबियाई प्रवासियों के साथ अपराधियों की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनका देश अमेरिका से निर्वासन उड़ानों को तब तक स्वीकार नहीं करेगा जब तक कि प्रवासियों के साथ उस सम्मान के साथ व्यवहार नहीं किया जाता जिसका एक इंसान हकदार

है। दो प्रत्यावर्तन उड़ानों को कोलंबिया में उतरने की अनुमति नहीं मिलने के बारे में जानने के बाद ट्रंप ने कहा कि वह दक्षिण अमेरिकी देश से अमेरिका में आने वाले सभी सामानों पर तुरंत 25 फीसद टैरिफ लगा देंगे और एक सप्ताह के बाद इसे 50 प्रतिशत तक बढ़ा देंगे। उन्होंने कोलंबिया के सरकारी अधिकारियों, उनके सहयोगियों और समर्थकों के तत्काल वीजा रद्द करने और अमेरिका में यात्रा प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। ट्रंप ने कोलंबिया को वित्तीय प्रतिबंध लगाने की भी चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर सभी कोलंबियाई नागरिकों और कार्गो के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा निरीक्षण को बढ़ाएंगे। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, ये उपाय सिर्फ शुरुआत हैं। हम कोलंबिया सरकार को उन अपराधियों की स्वीकृति और वापसी के संबंध में अपने कानूनी दायित्वों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देंगे। इस घोषणा पर पेट्रो ने कहा कि वह अमेरिका से निर्वासन का सामना करने वाले कोलंबियाई प्रवासियों की सम्मानजनक वापसी के लिए एक विमान प्रदान करेंगे। पेट्रो ने कहा कि उन्होंने अपने व्यापारमंत्री को अमेरिकी वस्तुओं पर कोलंबियाई टैरिफ को 25 प्रतिशत तक बढ़ाने का आदेश दिया।

बांग्लादेश की अभिनेत्री पोरी मोनी को मिली जमानत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अभिनेत्री पोरी मोनी को आज ढाका के न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहम्मद जुनैद की अदालत ने जमानत दे दी। व्यवसायी नासिर उद्दीन महमूद ने उनपर हमला, बर्बरता और धमकी देने का आरोप लगाया और उनके कॉस्ट्यूम डिजाइनर जुनैद बोगदादी जिमी के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का आदेश दिया था। दोनों के गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए गए थे। नासिर उद्दीन ने 6 जुलाई, 2022 को केस दर्ज कराया था। पिछले साल 18 मार्च को ढाका जिले के पुलिस

था। इस मामले में पोरी मोनी ने आज सुबह 10 अदालत में आत्मसमर्पण किया। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, पोरी मोनी के वकील ने सुबह 10:15 बजे जमानत के लिए अर्जी दी। अदालत ने 1,000 टका के मुचलके पर जमानत दे दी। इससे पहले, इसी अदालत ने पोरी मोनी ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (पीबीआई) के जांच अधिकारी इंस्पेक्टर मोहम्मद मोनिर हुसैन ने ढाका के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत को एक रिपोर्ट सौंपी, जिसमें पोरी मोनी और जुनैद के खिलाफ हमले और धमकी के सबूतों की पुष्टि की गई थी।

लेबनान और गाजा में संघर्ष विराम के बावजूद मारकाट

एजेंसी

बेरूत/गाजा पट्टी। लेबनान और गाजा में संघर्ष विराम के बीच मारकाट मची हुई है। लेबनान के अधिकारियों ने कहा कि इजराइली बलों ने कल दक्षिणी लेबनान में कम से कम 22 लोगों को मार डाला, जबकि गाजा में इजराइल ने फिलिस्तीनियों को उत्तर की ओर वापस जाने से रोक दिया। इजराइल का कहना है कि हमास संघर्ष विराम की शर्तों का लगातार उल्लंघन कर रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, विस्थापित हजारों लेबनानी अपने घरों की ओर जाने वाली सड़कों पर आ गए तो इजरायली सेना ने गोलीबारी शुरू कर दी। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के झंडे वाला एक वाहन उनके सैनिकों के पास आ गया। इस वजह से गोलीबारी करनी पड़ी। लेबनान के

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस गोलीबारी में 120 से अधिक लोग घायल हो गए। लेबनान में संघर्ष विराम पर नवंबर में हस्ताक्षर हुए थे। यह तय किया गया था कि इजराइल और हिजबुल्लाह दक्षिणी लेबनान से हट जाएंगे। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को तैनात किया जाएगा। इस बीच इजराइल यह कहकर फिलिस्तीनियों को उनके घर लौटने से रोक दिया कि हमास ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। इजराइल इससे भी खफा है कि अर्बेल येहुद (आखिरी महिला नागरिक बंधक) को अभी तक रिहा नहीं किया गया है।

इजराइल का मानना है कि संभवतः वह जीवित है।इस बीच फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद ने कहा कि अर्बेल येहुद हमास के नहीं, उसके कब्जे में है। वह अर्बेल येहुद को पहले रिहा कर देगा।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल को दोषी ठहराया गया

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल को पिछले महीने विद्रोह का नेतृत्व करने के आरोप में कल दोषी ठहराया गया। वह अल्पकालिक मार्शल लॉ की घोषणा करने के बाद आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले पहले राष्ट्रपति हैं। येओल महाभियोग का भी सामना कर रहे हैं। पूर्व रक्षामंत्री और कई सैन्य जनरलों और पुलिस प्रमुखों को भी हाल ही में दोषी ठहराया जा चुका है। इन सभी पर येओल को अपराध करने में मदद करने का आपराधिक आरोप है। खबर के अनुसार, अभियोजकों ने येओल को औपचारिक रूप से दोषी ठहराया है। येओल 26 जनवरी को संवैधानिक न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए। संवैधानिक न्यायालय इस बात पर विचार कर रहा है कि क्या संसदीय महाभियोग वैध था और क्या उन्हें औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद से हटा दिया जाना चाहिए। जनमत सर्वेक्षणों में अधिकांश दक्षिण कोरियाई नागरिक महाभियोग को मंजूरी देने के पक्ष में हैं। द कोरिया टाइम्स की खबर के अनुसार, येओल को मार्शल लॉ घोषणा की विफलता से जुड़े विद्रोह का नेतृत्व करने के आरोप में दोषी ठहराया गया। इसी के साथ वह हिरासत और औपचारिक रूप से गिरफ्तार किए जाने वाले पहले मौजूदा राष्ट्रपति बन गए। 19 जनवरी को उच्च पदस्थ अधिकारियों के लिए भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने उन्हें अदालत के आदेश पर औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया था। हिरासत अवधि समाप्त होने से ठीक एक दिन पहले अभियोजकों ने उन्हें दोषी ठहराया। अभियोजकों ने येओल को केवल इस चिंता का हवाला देते हुए विद्रोह का नेतृत्व करने के आरोप में दोषी ठहराया है कि संदिग्ध सबूत नष्ट कर सकता है। येओल पर सत्ता के दुरुपयोग के आरोप भी लगे, लेकिन यह आरोप हटा दिए गए हैं। कानून के तहत, राष्ट्रपति को विद्रोह के मामलों को छोड़कर पद पर रहते हुए अभियोजन से छूट प्राप्त है। इससे पहले , अभियोजक जनरल शिम वू-जंग ने इस मामले में अगले कदमों पर चर्चा करने के लिए देश भर के वरिष्ठ अभियोजकों के साथ एक बैठक की। प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों ने कहा कि विद्रोही नेता को अब न्यायाधीशों का उपहास नहीं करना चाहिए। येओल की कानूनी टीम ने अभियोजन के कदम की आलोचना की है।

पाकिस्तान के खुजदार में कार बम विस्फोट में दो की मौत, सात घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार में हुए कार बम विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गुजर रही थी। इसदौरान विस्फोटकों से लदी एक कार में विस्फोट हो गया। कलात डिवीजन के कमिश्नर नईम बजई ने इसकी पुष्टि की। खुजदार के सहायक आयुक्त

गए। यह विस्फोट खुजदार-शाहदादकोट राजमार्ग पर खोरी इलाके में हुआ। डॉन समाचार पत्र की खबर के अनुसार, लेवी अधिकारियों ने कहा कि यह शक्तिशाली विस्फोट तब हुआ जब एक बस उस इलाके से हफीजुल्लाह काकर का कहना है कि घायलों में बस चालक और क्लीनर भी शामिल हैं। इस घटना में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों की पहचान शिराज और सनाउल्लाह के रूप में हुई है।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता राजपक्षे को राहत, कोर्ट ने दी जमानत

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता राजपक्षे को कोलंबो की एक अदालत ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। उन्हें आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ??ने 25 जनवरी की सुबह धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत बेलिएट्टा क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पवित्रा संजीवनी ने योशितो को आज तक के लिए सीबीडी को रिमांड पर दिया था।

श्रीलंका के समाचार पत्र डेली मिरर की खबर के अनुसार, अदालत ने योशिता राजपक्षे की विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक अन्य समाचार पत्र डेली न्यूज की खबर के अनुसार, कोलंबो की अतिरिक्त मजिस्ट्रेट मंजुला रत्नायके ने लंबे विचार-विमर्श के बाद यह आदेश जारी किया। उन्हें इसके लिए दो जमानत बांड जमा कराने के होंगे। साथ ही योशिता को हर महीने के आखिरी

सीआईडी के सामने उपस्थित होना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले योशिता को 28 दिसंबर को सीआईडी ने तीन जनवरी को बयान दर्ज कराने के लिए ऑफिस बुलाया था। यह पूछताछ कटारगामा में सरकारी स्वामित्व वाली भूमि के स्वामित्व के संबंध में की जानी थी। सीआईडी ने 27 दिसंबर को इस संबंध में महिंदा राजपक्षे के पूर्व निजी सुरक्षा अधिकारी मेजर नेविल वान्नियाराची के बयान दर्ज किए थे। सीआईडी इस भूमि के स्वामित्व दस्तावेजों में की गई हेराफेरी की जांच कर रही है। 12 जून, 1988 को जन्मे योशिता श्रीलंकाई खिलाड़ी और पूर्व नौसेना अधिकारी हैं। वो श्रीलंका के प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। योशिता राजपक्षे को साल 2016 से किसी न किसी मामले में जांच का सामना करना पड़ा है। उन्हें फाइनेंशियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिवीजन (एफसीआईडी) ने 16 जनवरी, 2016 भ्रष्टाचार के आरोपों में लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी श्रीलंका के स्पोर्ट्स, लाइफ स्टाइल और बिजनेस टेलीविजन चैनल कार्ल्टन स्पोर्ट्स नेटवर्क (सीएसएन) में कथित फर्जीवाड़े पर की गई थी। योशिता के साथ पूर्व राष्ट्रपति के प्रवक्ता रोहन वेलिविता को भी हिरासत में लिया गया था।

नेपाल में यूएसएआईडी ने 400 से अधिक संघ संस्थाओं को दिए जा रहे आर्थिक सहयोग पर रोक लगाई

एजेंसी

काठमांडू। अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिकी सहायता एजेंसी यूएसएआईडी ने नेपाल में अपने सभी भागीदार संगठनों और सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं को वर्तमान में चल रहे कार्यक्रमों को रोकने के लिए पत्र लिखा है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी प्रकार की विदेशी सहायता बंद करने का कार्यकारी आदेश जारी करने के बाद इसको कार्यान्वयन करते हुए यूएसएआईडी नेपाल के मुख्यालय के तरफ से इस बारे में पत्र भी भेजते हुए उनके तरफ से दिए जा रहे आर्थिक सहयोग को तत्काल प्रभाव से बंद किए जाने की औपचारिक जानकारी दी है।

नेपाल में अमेरिकी राजदूत डीन थॉमसन ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि वाशिंगटन के तरफ से आए निर्देश के बाद उस पर अमल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूएसएआईडी के तरफ से चल रहे सभी प्रकार के कार्यक्रमों को बंद करने के लिए कह दिया गया है। वह सभी कार्यक्रम बंद कर दे। अमेरिकी सरकार के अधीन प्रोजेक्ट पर मिलकर काम कर रहे सरकारी और गैर सरकारी संगठनों को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, ट्रम्प के व्हाइट हाउस लौटते ही विदेशी विकास अनुदान को तुरंत निलंबित करने का निर्णय लिया गया और 90 दिनों की समीक्षा के बाद इस पर फिर से निर्णय किया जाएगा। नेपाल में लगभग 400 गैर-सरकारी संगठन और कंपनियां यूएसएआईडी और उसके सहयोगियों, एशिया फाउंडेशन, एचकेआई इंटरनेशनल और अन्य संगठनों और कंपनियों के साथ साझेदारी में काम कर रही हैं।

गैर-सरकारी संगठनों के महासंघ के अध्यक्ष राम प्रसाद सुवेदी ने बताया कि उन सभी संगठनों को सभी कार्यक्रमों को फिलहाल रोकने के लिए एक ईमेल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि उनके पास भी यूएसएआईडी के तरफ से एक ईमेल मिला है।

सुवेदी ने बताया कि तीन माह से अमेरिकी सहयोग से चल रहे प्रोजेक्ट में स्टाफ के वेतन को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियां बंद करने को कहा है। इस बीच, कार्यक्रमों, बैठकों और प्रशिक्षणों के लिए यात्रा और होटल बुकिंग रोक दी गई है। उन्होंने कहा है कि 3 महीने तक इसकी समीक्षा करने के बाद उन्हें पता चलेगा कि आगे क्या करना है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सेना ने 30 दहशतगर्दों को मार गिराया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में तीन अलग-अलग अभियान में 30 दहशतगर्दों को मार गिराया है।

हाल के महीनों में खैबर पख्तूनख्वा में सबसे ज्यादा आतंकी हमले होते रहे हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने इसे बड़ी कामयाबी बताते हुए सुरक्षाबलों की प्रशंसा की है। पत्र ने इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले से बताया है कि सुरक्षाबलों ने शनिवार को तीन अलग-अलग आपरेशन में 30 दहशतगर्दों को मार गिराया है। पहली मुठभेड़ केपी के लक्की मरवत में हुई जहां आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर आपरेशन चलाया गया था। इसमें 18 दहशतर्द मारे गए। दूसरा आपरेशन करक इलाके में हुआ जहां 8 दहशतगर्दों की मौत हुई। जबकि खैबर जिले के बाघ इलाके में आपरेशन के दौरान 4 आतंकियों की मौत हुई। पाकिस्तान

के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लक्की मरवत, करक और खैबर जिलों में चलाए गए आपरेशन की प्रशंसा करते हुए इस महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और कहा कि आतंकवाद के खात्मे तक सुरक्षा बलों का अभियान जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि हाल के महीनों में पाकिस्तान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खिलाफ मुहिम तेज कर दी है। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद से टीटीपी ने पाकिस्तान में कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया है। टीटीपी तालिबान अलग समूह है लेकिन अफगान तालिबान का करीबी सहयोगी है।

सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज की तरफ से जारी सीआरएसएस वार्षिक सुरक्षा रिपोर्ट 2024 के मुताबिक साल 2024 पाकिस्तान के नागरिक और सैन्य सुरक्षा बलों के लिए पूरे दशक में सबसे ज्यादा घातक वर्ष था, जिसमें आतंकी हमलों में 1166 लोगों और सुरक्षकर्मियों की मौत हुई।

तंजानिया की झील में तेज हवाएं चलने के बाद 10 लोग लापता

दार एस सलाम। तंजानिया में रुक्वा झील में तेज़ हवाओं के चलने के बाद शुक्रवार को कम से कम 10 मछुआरे लापता हो गए जबकि 550 अन्य को बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रुक्वा क्षेत्र के

तंजानिया अग्निशमन और बचाव बल के प्रमुख चाचा मचका ने यह जानकारी दी। रुक्वा क्षेत्र के सुंबावांगा जिला आयुक्त न्याकिया चिरुकीले ने बताया कि लापता मछुआरों को फिर से निकालने के लिए बचाव कार्य चल रहा है, जो तेज़ हवाओं के समय अपनी नियमित मछली पकड़ने की गतिविधियों में लगे थे।

तंजानिया के गृह मंत्री इनोसेंट बाशुंगवा ने बताया कि सरकार ने बचाव अभियान के लिए सेना का एक हेलीकॉप्टर और गोताखोरों को भेजा है और कई अधिकारियों ने क्षेत्र का दौरा किया। रुक्वा झील देश का तीसरा सबसे बड़ा अंतर्देशीय जल निकाय है।

काठमांडू के भारतीय राजदूतावास में मनाया गया गणतंत्र दिवस, राष्ट्रपति मुर्मु का संदेश पढ़ा गया

एजेंसी

काठमांडू। भारत का 76वां गणतंत्र दिवस काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास में भी मनाया गया। समारोह की शुरुआत नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव के हाथों तिरंगा फहराने के साथ हुई। राजदूत ने नेपाल में प्रवासी भारतीयों को बधाई दी। इसके बाद भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के भेजे गए संदेश को पढ़कर सुनाया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। राजदूत ने भारतीय सशस्त्र बलों के बलिदानी सैनिकों की विधवाओं और परिजनों को सम्मानित करते हुए उन्हें 5 करोड़ रुपये की सहयोग राशि वितरित की। भारतीय सशस्त्र बलों के 219 मृत सदस्यों की विधवाओं और परिजनों को 23.29 करोड़ रुपये का वितरण किया गया है। इस भुगतान में सेना समूह बीमा (एजीआई) कार्यक्रम के तहत लाभ शामिल हैं, जिसमें वर्ष 2024 में डेथ-इन-सर्विस लाभ, विस्तारित बीमा लाभ और एजीआई परिपक्वता भुगतान शामिल हैं।

भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल में रह रहे भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों के लिए भारत सरकार की कल्याणकारी पहलों को समेटते हुए भु पु-2025 नामक पत्रिका का भी अनावरण किया। गणतंत्र दिवस पर दूतावास ने नेपाल के छह प्रांतों के 29 शैक्षणिक संस्थान को 30 लाख रुपये से अधिक की पुस्तकें उपहार में वितरित की हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में छात्रों को शैक्षिक सामग्री प्रदान करने की यह

पहल उनके अनुरोध के आधार पर की गई है। भारत को जानिये (बीकेजे) क्विज में नेपाल के शीर्ष 50 स्कोरर को उपलब्धि प्रमाण पत्र दिए गए। नेपाल में 11 नवंबर से 11 दिसंबर 2024 तक आयोजित बीकेजे क्विज का उद्देश्य विदेशी नागरिकों और विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय को भारत के बारे में प्रेरित करना था। समारोह में दूतावास के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र और काठमांडू के केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रदर्शन किया। इस समारोह के बाद दूतावास के प्रांगण में दिवा भोज का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान से आए कलाकारों की प्रस्तुतियां हुई। नेपाल के उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव इस समारोह में बतौर प्रमुख अतिथि मौजूद रहे। उनके अलावा नेपाल सरकार के मंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री, नेपाल के सभी सुरक्षा बलों के प्रमुख, सरकार के आला अधिकारी, नेपाली सेना, नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल के शीर्ष अधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के शीर्ष नेता सहित समाज के अन्य गणमान्य व्यक्तित्वों की उपस्थिति रही।

जम्मू में 76वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

गणतंत्र दिवस परेड में सेना, बीएसएफ सीआरपीएफ एसएसबी, आईआरपी, जम्मू-कश्मीर पुलिस, जेकेएपी, यूटी आपदा प्रतिक्रिया बल, जम्मू-कश्मीर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं, जम्मू-कश्मीर वन सुरक्षा बल, आबकारी एवं कराधान विभाग, भूतपूर्व सैनिक, एनसीसी, भारत स्काउट एवं गाइड तथा कई स्कूली टुकड़ियाँ, सेना, बीएसएफ जम्मू-कश्मीर पुलिस के ब्रास एवं पाइप बैंड तथा विभिन्न स्कूलों के बैंड

उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का प्रयोग

उर्वरक कृषि में उपज बढ़ाने के लिए प्रयुक्त रसायन हैं जो पेड़-पौधों की वृद्धि में सहायता के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। पानी में शीघ्र घुलने वाले ये रसायन मिट्टी में या पत्तियों पर छिड़काव करके प्रयुक्त किये जाते हैं। पौधे मिट्टी से जड़ों द्वारा एवं ऊपरी छिड़काव करने पर पत्तियों द्वारा उर्वरकों को अवशोषित कर लेते हैं। उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन हैं लेकिन इनके प्रयोग के कुछ दुष्परिणाम भी हैं। ये लंबे समय तक मिट्टी में बने नहीं रहते हैं। सिंचाई के बाद जल के साथ ये रसायन जमीन के नीचे भौम जलस्तर तक पहुँचकर उसे दूषित करते हैं। मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं और सुक्ष्मजीवों के लिए भी ये घातक साबित होते हैं। इसलिए उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का प्रयोग तेजी से लोकप्रीय हो रहा है। भारत में रासायनिक खाद का सर्वाधिक प्रयोग पंजाब में होता है इनका उपयोग हमें बहुत कम करना चाहिए ।

उर्वरक का वर्गीकरण गोबर की खाद

- कार्बनिक/जैविक उर्वरक (कम्पोस्ट, यूरिया) या अकार्बनिक उर्वरक (अमोनियम नाइट्रेट)
- प्राकृतिक (पीट) या कृत्रिम उर्वरक (सुपर फॉस्फेट)
- पादप पोषण के अन्तर्गत पादपों के विकास के लिए आवश्यक रासायनिक तत्वों एवं यौगिकों का अध्ययन किया जाता है।
- सत्रह (17) अत्यावश्यक पादप-पोषक तत्व हैं। कार्बन, आक्सीजन, तथा जल के अलावा निम्नलिखित खनिज तत्त्व आवश्यक हैं-

पौधों के लिये आवश्यक पोषक तत्व

मुख्य तत्व

पौधों के लिये तीन प्रमुख पोषक तत्व हैं नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटैशियम या पोटाश

द्वितीयक पोषक तत्व- कैल्शियम, गंधक या सल्फर, मैग्नीशियम

सूक्ष्म पोषक तत्व- बोरॉन, क्लोरीन, मैगनीज, लोहा, जस्ता (जिंक), ताँबा (कॉपर), मॉलीब्लेडनम्, सेलेनियम (केवल कुछ देशों में)

सीमाएं

उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन हैं लेकिन इनके प्रयोग के कुछ दुष्परिणाम भी हैं। ये लंबे समय तक मिट्टी में बने नहीं रहते हैं। सिंचाई के बाद जल के साथ ये रसायन जमीन के नीचे भौम जलस्तर तक पहुँचकर उसे दूषित करते हैं। मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं और सुक्ष्मजीवों के लिए भी ये घातक साबित होते हैं। भारत में रासायनिक खाद का सर्वाधिक प्रयोग पंजाब में होता है। वर्तमान समय में वहाँ पानी का जलस्तर एवं मृदा की पोषकता में भारी कमी देखी गई है। इसके साथ ही मृदा तथा उपज में हानीकारक रसायनों की मात्रा में बहुत वृद्दी पाई गई है। इसलिए उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का प्रयोग तेजी से लोकप्रीय हो रहा है।

प्रमुख रासायनिक उर्वरक

=== यूरिया पहचान विधि

- सफेद चमकदार, लगभग समान आकार के गोल दाने।
- पानी में पूर्णतया घुल जाना तथा घोल छूने पर शीतल अनुभूति।
- गर्म तवे पर रखने से पिघल जाता है और आंच तेज करने पर कोई अवशेष नही बचता।

डाई अमोनियम फास्फेट (डी.ए.पी.) पहचान विधि

- सख्त, दानेदार, भूरा, काला, बादामी रंग नाखूनों से आसानी से नहीं टूटने वाला उर्वरक है।
- डी.ए.पी. के कुछ दानों को लेकर तम्बाकू की तरह उसमें चूना मिलाकर मलने पर तीक्ष्ण गन्ध निकलती है, जिसे सूंघना असह्य हो जाता है।
- तवे पर धीमी आंच में गर्म करने पर दाने फूल जाते है।

सुपर फास्फेट पहचान विधि

- यह सख्त दानेदार, भूरा काला बादामी रंगों से युक्त तथा नाखूनों से आसानी से न टूटने वाला उर्वरक है। यह चूर्ण के रूप में भी उपलब्ध होता है। इस दानेदार उर्वरक की मिलावट बहुधा डी.ए.पी. व एन.पी.के. मिक्चर उर्वरकों के साथ की जाने की सम्भावना बनी रहती है।

जिंक सल्फेट पहचान विधि

- जिंक सल्फेट में मैंगनीशिम सल्फेट प्रमुख मिलावटी रसायन है। भौतिक रूप से समानता के कारण नकली असली की पहचान कठिन होती है।
- डी.ए.पी. के घोल में जिंक सल्फेट के घोल को मिलाने पर थक्केदार घना अवक्षेप बन जाता है। मैग्नीशियम सल्फेट के साथ ऐसा नहीं होता।
- जिंक सल्फेट के घोल में पतला कास्टिक का घोल मिलाने पर सफेद, मटमैला मांड़ जैसा अवक्षेप बनता है, जिसमें गाढ़ा कास्टिक का घोल मिलाने पर अवक्षेप पूर्णतया घुल जाता है। यदि जिंक सल्फेट की जगह पर मैंगनीशिम सल्फेट है तो अवक्षेप नहीं घुलेगा।

पोटाश खाद पहचान विधि

- सफेद कणाकार, पिसे नमक तथा लाल मिर्च जैसा मिश्रण।
- ये कण नम करने पर आपस में चिपकते नहीं।
- पानी में घोलने पर खाद का लाल भाग पानी में ऊपर तैरता है।
- खनिज, जिसमें 8% नाइट्रोजन, 8% फास्फोरस तथा 8% पोटाश है।

खाद डालने की मुख्य विधियाँ

- (1) थाला में डालना – तौलिए में छोटे पौधों में आधा व बड़े पौधों में एक फुट की तने से दूरी रखते हुये खादें डाल दी जाती है। खादें पौधों की टहनियों के फैलाव के नीचे बिखेर कर डालने के बाद मिट्टी में मिला दी जातीहै। मिट्टी में खादें मिलाना अति आवश्यक होता है। जब बहुत ज्यादा नमी हो या बहुत ज्यादा सूखा पड़ रहा हो तो खादें न डालें।
- (2) पट्टी में खाद डालना – टहनियों के फैलाव के बाहरी घेरे में 20-25 सेंटीमीटर पट्टी में खादें डाल दी जाती है और ऊपर से ढक दिया जाता है। ऐसे विधि वहीं प्रयोग में लाई जाती है जहां ज्यादा बरसात होती है।
- (3) छिड़काव विधि-पत्तों के ऊपर छिड़काव किया जाता है। ज्यादात्तर यूरियाखाद को पानी में घोल कर उसे छिड़काव द्वारा पत्तों पर डाला जाता है। 1 किलो यूरिया को 50 लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करें। पानी कम होने पर पत्तियों के झुलसने की संभावना रहती है।
- (4) बिखेर कर डालना – पौधों की दो पंक्तियों के बीच में पौधों से उचितदूरी बनाते हुये खेत में बिखेर कर खादें डाल दी जाती हैं।

जैव उर्वरक /बायोफर्टिलाइजर उन उर्वरकों को कहते हैं जो जन्तुओं या वनस्पतियों से प्राप्त होते हैं। जैसे कम्पोस्ट खाद, आदि

भूमि की उर्वरता को टिकाऊ बनाए रखते हुए सतत फसल उत्पादन के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने प्रकृतिप्रदत्त जीवाणुओं को पहचानकर उनसे बिभिन्न प्रकार के पर्यावरण हितैषी उर्वरक तैयार किये हैं जिन्हे हम जैव उर्वरक (बायोफर्टिलाइजर) या जीवाणु खाद कहते है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते है की जैव उर्वरक जीवित उर्वरक है जिनमे सूक्ष्मजीव विद्यमान होते है।

फसलों में जैव उर्वरकों को इस्तेमाल करने से वायुमण्डल में उपस्थित नत्रजन पौधो को (अमोनिया के रूप में) सुगमता से उपलब्ध होती है तथा भूमि में पहले से मौजूद अघुलनशील फास्फोरस आदि पोषक तत्व घुलनशील अवस्था में परिवर्तित होकर पौधों को आसानी से उपलब्ध होते हैं।

चूंकि जीवाणु प्राकृतिक हैं, इसलिए इनके प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और पर्यावरण पर विपरीत असर नहीं पड़ता। जैव उर्वरक रासायनिक उर्वरकों के पूरक है, विकल्प कतई नहीं है। रासायनिक उर्वरकों के पूरक के रूप में जैव उर्वरकों का प्रयोग करने से हम बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते है।

वास्तव में जैव उर्वरक विशेष सूक्ष्मजीवों एवं किसी नमी धारक पदार्थ के मिश्रण हैं। विशेष सूक्ष्म जीवों की निर्धारित मात्रा को किसी नमी धारक धूलीय पदार्थ (चारकोल, लिग्नाइट आदि) में मिलाकर जैव उर्वरक तैयार किये जाते हैं। यह प्राय: कल्चर के नाम से बाजार में उपलब्ध है। वास्तव में जैव उर्वरक एक प्राकृतिक उत्पाद है। इनका उपयोग विभिन्न फसलों मे एवं स्फूर की आंशिक पूर्ति हेतु किया जा सकता है। इनके उपयोग का भूमि पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है बल्कि ये भूमि के भौतिक व जैविक गुणों में सुधार कर उसकी उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में सहायक होते हैं। जैविक खेती में जैव उर्वरकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

जीवाणु खाद का प्रभाव धीरे-धीरे होता है। हमारे खेत की एक ग्राम मिट्टी में लगभग दो-तीन अरब सूक्ष्म जीवाणु पाये जाते हैं जिसमें मुख्यत: बैक्टिरीया, फफूंद, कवक, प्रोटोजोआ आदि होते हैं जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने व फसलोत्पादन की वृद्धि में अनेक कार्य करते हैं।

केंचुआ खाद (रोटरी स्क्रीन विधि से निर्मित)

केंचुआ खाद या वर्मीकम्पोस्ट पोषण पदार्थों से भरपूर एक उत्तम जैव उर्वरक है। यह केंचुआ आदि कीड़ों के द्वारा वनस्पतियों एवं भोजन के कचरे आदि को विघटित करके बनाई जाती है।

वर्मी कम्पोस्ट में बदबू नहीं होती है और मक्खी एवं मच्छर नहीं बढ़ते है तथा वातावरण प्रदूषित नहीं होता है। तापमान नियंत्रित रहने से जीवाणु क्रियाशील तथा सक्रिय रहते हैं। वर्मी कम्पोस्ट डेढ़ से दो माह के अंदर तैयार हो जाता है। इसमें 2.5 से 3% नाइट्रोजन, 1.5 से 2% सल्फर तथा 1.5 से 2% पोटाश पाया जाता है।

केंचुआ खाद की विशेषताएँ- इस खाद में बदबू नहीं होती है, तथा मक्खी, मच्छर भी नहीं बढ़ते है जिससे वातावरण स्वस्थ रहता है। इससे सूक्ष्म पोषित तत्वों के साथ-साथ नाइट्रोजन 2 से 3 प्रतिशत, फास्फोरस 1 से 2 प्रतिशत, पोटाश 1 से 2 प्रतिशत मिलता है।

- इस खाद को तैयार करने में प्रक्रिया स्थापित हो जाने के बाद एक से डेढ़ माह का समय लगता है।
- प्रत्येक माह एक टन खाद प्राप्त करने हेतु 100 वर्गफुट आकार की नर्सरी बेड पर्याप्त होती है।
- केंचुँआ खाद की केवल 2 टन मात्रा प्रति हैक्टेयर आवश्यक है।

खाद्य कचरे को वर्मीडाइजेस्टर में डालकर निर्मित वर्मीकम्पोस्ट

केंचुआ कृषकों का मित्र एवं भूमि की आंत कहा जाता है। यह सेन्द्रिय पदार्थ, ह्यूमस व मिट्टी को एकसार करके जमीन के अन्दर अन्य परतों में फैलाता है इससे जमीन पोली होती है व हवा का आवागमन बढ़ जाता है, तथा जलधारण की क्षमता भी बढ़ जाती है। केचुँए के पेट में जो रासायनिक क्रिया व सूक्ष्म जीवाणुओं की क्रिया होती है, उससे भूमि में पाये जाने वाले नत्रजन, स्फुर (फॉस्फोरस), पोटाश, कैलशियम व अन्य सूक्ष्म तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है। ऐसा पाया गया है कि मिट्टी में नत्रजन 7 गुना, फास्फोरस 11 गुना और पोटाश 14 गुना बढ़ता है।

केचुँए अकेले जमीन को सुधारने एवं उत्पादकता वृद्धि में सहायक नहीं होते बल्कि इनके साथ सूक्ष्म जीवाणु, सेन्द्रित पदार्थ, ह्यूमस इनका कार्य भी महत्वपूर्ण है।

केचुँए सेन्द्रिय पदार्थ, एवं मिट्टी खाने वाले जीव है जो सेप्रोफेगस वर्ग में आते है। इस वर्ग में दो प्रकार के केचुँए होते हैं

- (1) डेट्रीटीव्होरस – डेट्रीटीव्होरस जमीन के ऊपरी सतह पर पाये जाते है। ये लाल चाकलेटी रंग, चपटी पूँछ के होते है इनका मुख्य उपयोग खाद बनाने में होता है। ये ह्यूमस फारमर केचुँए कहे जाते है।
- (2) जीओफेगस – जीओ फेगस केचुँए जमीन के अन्दर पाये जाते है। ये रंगहीन सुस्त रहते हैं। ये ह्यूमस एवं मिट्टी का मिश्रण बनाकर जमीन पोली करते है।

केंचुआ खाद तैयार करने की विधि

- जिस कचरे से खाद तैयार की जाना है उसमे से कांच, पत्थर, धातु के टुकड़े अलग करना आवश्यक हैं।
- केचुँआ को आधा अपघटित सेन्द्रित पदार्थ खाने को दिया जाता है।
- भूमि के ऊपर नर्सरी बेड तैयार करें, बेड को लकड़ी से हल्के से पीटकर पक्का व समतल बना लें।
- इस तह पर 6-7 से0मी0 (2-3 इंच) मोटी बालू रेत या बजरी की तह बिछायें।
- बालू रेत की इस तह पर 6 इंच मोटी दोमट मिट्टी की तह बिछायें। दोमट मिट्टी न मिलने पर काली मिट्टी में रॉक पाऊडर पत्थर की खदान का बारीक चूरा मिलाकर बिछायें।
- इस पर आसानी से अपघटित हो सकने वाले सेन्द्रिय पदार्थ की (नारीयल की बूछ, गन्ने के पत्ते, ज्वार के डंठल एवं अन्य) दो इंच मोटी सतह बनाई जावे।
- इसके ऊपर 2-3 इंच पकी हुई गोबर खाद डाली जावे।
- केचुँओं को डालने के उपरान्त इसके ऊपर गोबर, पत्ती आदि की 6 से 8 इंच की सतह बनाई जावे। अब इसे मोटी टाट् पट्टी से ढांक दिया जावे।
- झारे से टाट पट्टी पर आवश्यकतानुसार प्रतिदिन पानी छिड़कते रहे, ताकि 45 से 50 प्रतिशत नमी बनी रहे। अधिक नमी/गीलापन रहने से हवा अवरूद्ध हो जावेगी और सूक्ष्म जीवाणु तथा केचुएं कार्य नहीं कर पायेगे और केचुएं मर भी सकते है।
- नर्सरी बेड का तापमान 25 से 30 डिग्री सेन्टीग्रेड होना चाहिए।
- नर्सरी बेड में गोबर की खाद कड़क हो गयी हो या ढेले बन गये हो तो इसे हाथ से तोड़ते रहना चाहिये, सप्ताह में एक बार नर्सरी बेड का कचरा ऊपर नीचे करना चाहिये।
- 30 दिन बाद छोटे छोटे केंचुए दिखना शुरू हो जावेंगे।
- 31 वें दिन इस बेड पर कूड़े-कचरे की 2 इंच मोटी तह बिछायें और उसे नम करें।
- इसके बाद हर सप्ताह दो बार कूडे-कचरे की तह पर तह बिछाएं। बॉयोमास की तह पर पानी छिड़क कर नम करते रहें।
- 3-4 तह बिछाने के 2-3 दिन बाद उसे हल्के से ऊपर नीचे कर देवें और नमी बनाए रखें।
- 42 दिन बाद पानी छिड़कना बंद कर दें।
- इस पद्धति से डेढ़ माह में खाद तैयार हो जाता है यह चाय के पाउडर जैसा दिखता है तथा इसमें मिट्टी के समान सोंधी गंध होती है।
- खाद निकालने तथा खाद के छोटे-छोटे ढेर बना देवे। जिससे केचुँए, खाद की निचली सतह में रह जावे।
- खाद हाथ से अलग करे। गैती, कुदाली, खुरपी आदि का प्रयोग न करें।
- केंचुए पर्याप्त बढ़ गए होंगे आधे केंचुओं से पुन: वही प्रक्रिया दोहरायें और शेष आधे से नया नर्सरी बेड बनाकर खाद बनाएं। इस प्रकार हर 50-60 दिन बाद केंचुए की संख्या के अनुसार एक दो नये बेड बनाए जा सकते हैं और खाद आवश्यक मात्रा में बनाया जा सकता है।
- नर्सरी को तेज धूप और वर्षा से बचाने के लिये घास-फूस का शेड बनाना आवश्यक है।

केंचुआ और केंचुआ खाद के उपयोग

मिट्टी की दृष्टि से

- केचुँए से भूमि की गुणवत्ता में सुधार आता है।
- भूमि की जलधारण क्षमता बढ़ती है।
- भूमि का उपयुक्त तापक्रम बनाये रखने में सहायक।
- भूमि से पानी का वाष्पीकरण कम होगा। अत: सिंचाई जल की बचत होगी। केचुँए नीचे की मिट्टी ऊपर लाकर उसे उत्तम प्रकार की बनाते हैं।
- केचुँआ खाद में ह्यूमस भरपूर मात्रा में होने से नाइट्रोजन, फास्फोरस पोटाश एवं अन्य सूक्ष्म द्रव्य पौधों को भरपूर मात्रा में व जल्दी उपलब्ध होते हैं।
- भूमि में उपयोगी जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि होती है।

कृषकों की दृष्टि से

- सिंचाई के अंतराल में वृद्धि होती है।
- रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होने के साथ काश्त-लागत में कमी आती है।

पर्यावरण की दृष्टि से

- भूमि के जलस्तर में वृद्धि होती है।
- मिट्टी खाद्य पदार्थ और जमीन में पानी के माध्यम से होने वाले प्रदूषण में कमी आती है।
- कचरे का उपयोग खाद बनाने में होने से बीमारियों में कमी होती है।

अन्य उपयोग

- केचुँए से प्राप्त कीमती अमीनों ऐसिड्स एवं एनजाइमस् से दवाये तैयार की जाती है।
- पक्षी, पालतू जानवर, मुर्गियां तथा मछिलयों के लिये केचुँए का उपयोग खाद्य सामग्री के रूप में किया जाता है।
- आयुर्वेदिक औषधियां तैयार करने में इसका उपयोग होता है।
- पाउडर, लिपिस्टिक, मलहम इस तरह के कीमती प्रसाधन तैयार करने हेतु केचुँए का उपयोग होता है।
- केचुँए के सूखे पाउडर में 60 से 65 प्रतिशत प्रोटीन होता है, जिसका उपयोग खाने में किया जाता है।

केंचुआ खाद का महत्व

- यह भूमि की उर्वरकता, वातायनता को तो बढ़ाता ही हैं, साथ ही भूमि की जल सोखने की क्षमता में भी वृद्धि करता हैं।
- वर्मी कम्पोस्ट वाली भूमि में खरपतवार कम उगते हैं तथा पौधों में रोग कम लगते हैं।
- पौधों तथा भूमि के बीच आयनों के आदान प्रदान में वृद्धि होती हैं।
- वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करने वाले खेतों में अलग अलग फसलों के उत्पादन में 25-300% तक की वृद्धि हो सकती हैं।
- मिट्टी में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती हैं।
- वर्मी कम्पोस्ट युक्त मिट्टी में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश का अनुपात 5:8:11 होता हैं अत: फसलों को पर्याप्त पोषक तत्व सरलता से उपलब्ध हो जाते हैं।
- केचुओं के मल में पेरीट्रापिक झिल्ली होती हैं, जो जमीन से धूल कणों को चिपकाकर जमीन का वाष्पीकरण होने से रोकती हैं।
- केचुओं के शरीर का 85% भाग पानी से बना होता हैं इसलिए सूखे की स्थिति में भी ये अपने शरीर के पानी के कम होने के बावजूद जीवित रह सकते हैं तथा मरने के बाद भूमि को नाइट्रोजन प्रदान करते हैं।
- वर्मी कम्पोस्ट मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की वृद्धि करता हैं तथा भूमि में जैविक क्रियाओं को निरंतरता प्रदान करता हैं।
- इसका प्रयोग करने से भूमि उपजाऊ एवं भुरभुरी बनती हैं।
- यह खेत में दीमक एवं अन्य हानिकारक कीटों को नष्ट कर देता हैं। इससे कीटनाशक की लागत में कमी आती हैं।
- इसके उपयोग के बाद 2-3 फसलों तक पोषक तत्वों की उपलब्धता बनी रहती हैं।
- मिट्टी में केचुओं की सक्रियता के कारण पौधों की जड़ों के लिए उचित वातावरण बना रहता हैं, जिससे उनका सही विकास होता हैं।
- यह कचरा, गोबर तथा फसल अवशेषों से तैयार किया जाता हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता हैं।
- इसके प्रयोग से सिंचाई की लागत में कमी आती हैं।
- लगातार रासायनिक खादों के प्रयोग से कम होती जा रही मिट्टी की उर्वरकता को इसके उपयोग से बढ़ाया जा सकता हैं।
- इसके प्रयोग से फल, सब्जी, अनाज की गुणवत्ता में सुधार आता हैं, जिससे किसान को उपज का बेहतर मूल्य मिलता हैं।
- केंचुए में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीव मिट्टी का pH संतुलित करते हैं।
- उपभोक्ताओं को पौष्टिक भोजन की प्राप्ति होती हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में इसके उपयोग से रोजगार की संभावनाएं उपलब्ध हो जाती हैं।
- यह बहुत कम समय में तैयार हो जाता हैं।
- केंचुए नीचे की मिट्टी को ऊपर लाकर उसे उत्तम प्रकार की बनाते हैं।

केंचुआ खाद के उपयोग में सावधानियाँ

- जमीन में केचुँआ खाद का उपयोग करने के बाद रासायनिक खाद व कीटनाशक दवा का उपयोग न करें।
- केचुँआ को नियमित अच्छी किस्म का सेन्द्रिय पदार्थ देते रहना चाहिये।
- उचित मात्रा में भोजन एवं नमी मिलने से केचुँए क्रियाशील रहते है।

मृदा परीक्षण

कृषि में मृदा परीक्षण या भूमि की जाँच एक मृदा के किसी नमूने की रासायनिक जांच है जिससे भूमि में उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा के बारे में जानकारी मिलती है। इस परीक्षण का उद्देश्य भूमि की उर्वरकता मापना तथा यह पता करना है कि उस भूमि में कौन से तत्वों की कमी है।

मृदा परिक्षण क्यों ?

मृदा पोषक तत्वों का भंडार है तथा पौधों को सीधे खडा रहने के लिए सहारा देती है। पौधों को अपना जीवन चक्र पूरा करने के लिए 16 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। ये तत्व है

मुख्य तत्व कार्बन, हाइडोजन, आक्सीजन, नत्रजन, फास्फोरस, पोठाश, कैल्सिशयम, मैग्नीशियम।

सूक्ष्म तत्व जस्ता, मैग्नीज, ताँबा, लौह, बोरोन, मोलिबडेनम व क्लोरीन। इन सभी तत्वों का संतुलित मात्रा में प्रयोग करने से ही उपयुक्त पैदावार ली जा सकती है। यदि किसी भंडार से केवल निष्कासन ही होता रहे और उसमें निष्कासित मात्रा की पूर्ति न की जाय जो कुछ समय बाद वह भंडार खाली हो जाता है।